RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

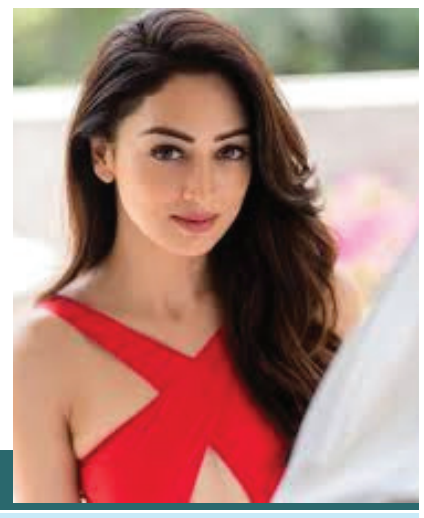

पटना, वर्षः 7 , अंकः22 , शुक्रवार, 06 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

एमजीसीयू ने इन्फ्लिबनेट सेंटर के साथ किया एमओयू, शोध को मिलेगी वैश्विक पहचान 03

सही मार्गदर्शन मिले तो सफलता सुनिश्चितः बीडीओ 04

संदीपा ने की अपनी फिल्म दो दीवाने सहर में की तारीफ 07

राजस्थान पंचायत चुनाव 2026

अब दो बच्चों से ज्यादा के पिता भी बनेंगे सरपंच, भजनलाल सरकार ने दिखाई मेहरबानी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की सियासत में एक बड़ा और चौंकाने वाला बदलाव होने जा रहा है। प्रदेश की

भजनलाल सरकार ने पंचायतीराज और शहरी निकाय चुनावों में उम्मीदवार बनने के लिए बच्चों की संख्या की बाध्यता को खत्म करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। विधानसभा में बुधवार को इससे जुड़े दो महत्वपूर्ण संशोधन बिल पेश किए गए, जो पारित होते ही दशकों पुरानी चुनावी पाबंदी को इतिहास बना देंगे।

मदन दिलावर और झाबर सिंह खर्रा ने पेश किए बिल- विधानसभा में इस बड़े नीतिगत बदलाव की नींव दो मंत्रियों ने रखी है। पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने यह बिल सदन पटल पर रखा। इसके तहत वार्ड पंच से लेकर जिला प्रमुख तक के चुनाव के लिए दो से ज्यादा बच्चों वाली अयोग्यता को हटाया जाने का प्रस्ताव है। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने नगरपालिका संशोधन बिल पेश किया।

पश्चिम एशिया संकट के बीच रूस का भारत को बड़ा भरोसा, 95 लाख बैरल तेल भेजने की तैयारी

मॉस्को (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर पड़ने लगा है। इसी बीच रूस ने भारत को बड़ा आश्वासन दिया है। रूस ने कहा है कि अगर पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो वह भारत को लगभग 95 लाख बैरल कच्चा तेल भेजने के लिए तैयार है। यह कदम ऐसे समय सामने आया है जब भारत की तेल आपूर्ति पर संकट के संकेत दिख रहे हैं और देश के पास सीमित भंडार बचा है।

भारत की स्थिति इसलिए भी संवेदनशील मानी जा रही है क्योंकि देश के पास फिलहाल केवल करीब 25 दिनों की जरूरत के बराबर कच्चे तेल का भंडार है। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे ईंधनों का स्टॉक भी सीमित बताया जा रहा है। ऐसे में अगर पश्चिम एशिया से आपूर्ति बाधित होती है तो भारत को तुरंत वैकल्पिक स्रोतों की जरूरत पड़ सकती है। इसी स्थिति को देखते हुए रूस ने भारत को अतिरिक्त तेल उपलब्ध कराने की पेशकश की है।

देश को मजबूत नेतृत्व की जरूरतः राहुल गांधी

ईरानी युद्धपोत पर हमले को लेकर राहुल ने मोदी पर किया कड़ा प्रहार

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के तट के पास अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत 'आईआरआईएस देना' को डुबोए जाने के बाद भारत में राजनीतिक पारा चढ़ गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस

घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खामोशी पर सवाल उठाते हुए उन्हें जमकर घेरा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब भारत के पिछले दरवाजे तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब देश को एक मजबूत नेतृत्व की जरूरत है, तब प्रधानमंत्री ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का सरेंडर कर दिया है। राहुल ने आगाह किया कि भारत की 40 प्रतिशत तेल आपूर्ति और गैस (एलपीजी/एलएनजी) का बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जिस पर अब सीधा खतरा मंडरा रहा है।

उदयपुर में तोप गरजे, गोलियों की तड़तड़ाहट से सहमा इलाका

आधी रात 451 साल पुरानी परंपरा निभाने जुटे हजारों लोग, बारूद की होली खेली

उदयपुर (एजेंसी)। लाल पगड़ियों और सजे-धजे कपड़ों में आधी रात को हाथों में तलवारें लिए लोग खड़े थे। चारों तरफ आग उगलती तोपें थीं। एक के बाद एक धमाके हो रहे थे। बंदूकों से गोलियां चल रही थीं। माहौल ऐसा जैसे कोई महायुद्ध छिड़ गया हो।

यह नजारा उदयपुर से 45 किलोमीटर दूर उदयपुर-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाईवे पर स्थित मेनार गांव में बुधवार (4 मार्च) की रात का है।

करीब 451 साल पहले मुगल चौकी ध्वस्त करने की खुशी में मेनारिया ब्राह्मण समाज बारूद की होली खेलता है। हर साल होलिका दहन के 48 घंटे बाद यानि तीसरी रात (जमरा बीज) को यह आयोजन होता है।

खास बात यह है कि बुजुर्ग पीछे नहीं रहते। वह भी युवाओं के साथ मिलकर धमाके करते हैं। ढोल-दुंदुभि बजाया जाता है।

चारों तरफ भीड़, धमाके, जोश और गर्व

मेनार गांव में जमरा बीज की रात का माहौल किसी युद्ध स्थल से कम नहीं था। चारों तरफ भीड़। पैर रखने की जगह नहीं। गांव के लोगों ने सेना वाली पोशाक पहनी थी। हाथों में मशाल और तलवारें थीं। टुकड़ियां जब बारूद की होली खेलने गांव के ओंकारेश्वर चौक पहुंचीं तो शोर मच गया। रोम-रोम में रोमांच दौड़ गया। देखते ही देखते तोपें बारूद उगलने लगीं। गोला-बारूद से पूरा इलाका दहलने लगा। दुंदुभि बजाकर जीत का ऐलान किया गया और फिर तलवारों से गैर डांस शुरू हुआ। मुगल चौकी पर जीत के बाद से मेनारिया समाज हर साल इसी तरह होली मनाता है।

- **परंपरा निभाई, जाजम बिछाकर की मेहमान नवाजी-** दोपहर ऐतिहासिक बारूद की होली की शुरुआत हुई। सबसे पहले गांव के ओंकारेश्वर मंदिर के चौक में शाही लाल जाजम बिछाई गई। गांव और आसपास के इलाकों से यहां पहुंचे मेनारिया ब्राह्मण समाज के पंचों, मौतवीरों (बुजुर्ग) का स्वागत किया गया। उनकी मेहमाननवाजी की गई। इसके बाद गांव के जैन समाज के लोगों ने अबीर-गुलाल बरसाना शुरू किया। सभी लोग आपस में गले मिले और होली की शुभकामनाएं दीं।
- **गांव के 5 रास्तों की मोर्चाबंदी की गई-** रात 10:15 बजे के बाद रस्में शुरू हुईं। पूर्व रजवाड़ों के सदस्य सैनिकों की पोशाक धोती-कुर्ता और कसुमल पाग (साफा) बांधे तलवारें और बंदूकें लेकर घरों से निकले। अलग-अलग रास्तों से ललकारते हुए वे गोलियां दागते-तलवारें लहराते हुए ओंकारेश्वर चौक पहुंचे। यहां चबूतरे पर गांव के 5 रास्तों की मोर्चाबंदी का आदेश दिया गया। पांच टुकड़ियां 5 मशालें लेकर ढोल की थाप पर गांव की मोर्चाबंदी करने के लिए रवाना हो गईं। पांचों दलों ने शोर करते हुए जब एक साथ कूच किया तो रोमांच चरम पर पहुंच गया। हजारों लोग इस नजारे के गवाह बने।

इजरायल-अमेरिका ने ईरान के अहम ठिकानों पर मिसाइलें दागीं

- छठवें दिन मोबाइल मिसाइल लॉन्च ट्रक को उड़ाया
- 1,045 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी

जंग के बीच बंकर में हुई शादी ,ईरान ने कहा जहाज डुबाने की सजा भुगतेगा अमेरिका

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। यूएस सेंट्रल कमांड ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें ईरान के मोबाइल मिसाइल लॉन्च ट्रक को उड़ाया। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का छठा दिन था। इजराइली और अमेरिकी सेनाओं ने गुरुवार को भी ईरान के अहम ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। ईरान के इजराइल और गल्फ देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ अन्य जगहों पर भी हमले जारी हैं। वहीं ,ईरान ने कहा जहाज डुबाने की सजा भुगतेगा अमेरिका। अमेरिका-इजराइल तीन दिन में 5000 से ज्यादा बम गिरा चुके हैं।

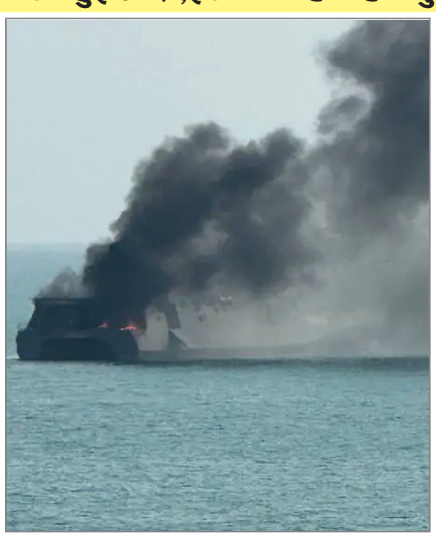

ईरानी युद्धपोत पर अमेरिका का हमला, 87 सैनिकों की मौत, 32 का रेस्क्यू किया

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग में अमेरिका ने भारत से लौट रहे एक ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया है। हमले में अब तक 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए हैं। यह जानकारी श्रीलंकाई सरकार ने दी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि हिंद महासागर में अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी जहाज को टॉरपीडो से निशाना बनाकर डुबा दिया। श्रीलंका की नेवी ने 32 घायल नौसैनिकों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। जहाज पर लगभग 180 नौसैनिक सवार थे। लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। यह ईरानी युद्धपोत पिछले महीने भारत के विशाखापट्टनम में आयोजित 2026 इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेकर लौट रहा था।

पीएम मोदी बोले- मिडिल ईस्ट और यूक्रेन जंग जल्द समाप्त हो

- सैन्य संघर्ष किसी समस्या का समाधान नहीं, ईरान में अब तक 1000 लोगों की मौत
- दिल्ली में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान उन्होंने मिडिल ईस्ट और यूक्रेन में जारी जंग को जल्दी खत्म करने की अपील की। मोदी ने कहा कि मिलिट्री लड़ाई (सैन्य संघर्ष) से कोई भी मसला हल नहीं हो सकता।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिनलैंड दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा- हम इस बात पर सहमत हैं कि सिर्फ सैन्य संघर्ष से कोई भी समस्या हल नहीं हो सकती।

स्टब बोले- दुनिया को थोड़ा और भारतीय बनने की जरूरत- फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब ने भारत की विदेश नीति और आर्थिक प्रगति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया को थोड़ा और भारतीय बनने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और सबसे प्रभावशाली देशों में से एक है।

नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया

- बोले- नई सरकार को सहयोग रहेगा, जेडीयू ऑफिस में तोड़फोड़
- तेजस्वी ने कहा- भाजपा ने हाईजैक किया

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को विधानसभा पहुंचकर राज्यसभा कैंडिडेट के लिए नामांकन दाखिल किया। सीएम के साथ बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेन्द्र कुशवाहा और शिवेश कुमार ने भी नामांकन दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।

नीतीश का कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा : अमित शाहः नामांकन के बाद अमित शाह ने कहा, उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा। बिहार के विकास के सारे मायने को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने अपने शासनकाल में बिहार

को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया। उन्होंने न केवल बिहार की सड़कों को गांव तक जोड़ा, उसकी स्थिति में भी सुधार किया। इतने लंबे कार्यकाल में विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री रहते हुए उनके कुर्ते पर कभी दाग नहीं लगा।

नीतीश बोले- नई सरकार को पूरा सपोर्ट

नामांकन से पहले नीतीश कुमार ने अपने एक्स पर लिखा कि, 'संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा सपोर्ट रहेगा। नीतीश के ऐलान पर तेजस्वी यादव ने कहा है कि, बिहार में महाराष्ट्र मॉडल बीजेपी ने लागू किया है। भाजपा ने नीतीश कुमार को इतना टॉर्चर किया कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ रहा है। बीजेपी अपनी सहयोगी पार्टी को खत्म कर देती है।

कांग्रेस ने 6 उम्मीदवारों का ऐलान किया

आज सुबह ही कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए 6 उम्मीदवारों का ऐलान किया। तेलंगाना से अभिषेक मनु सिंघवी और छत्तीसगढ़ से फूलो देवी नेताम को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। दोनों वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं।पार्टी ने हरियाणा से करमवीर सिंह बौद्ध और हिमाचल प्रदेश से अनुराग शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। तेलंगाना की दूसरी सीट के लिए कांग्रेस ने वेम नरेंद्र रेड्डी को मैदान में उतारा है। तमिलनाडु में स्टालिन की पार्टी डीएमके ने कांग्रेस को एक राज्यसभा सीट दी है। कांग्रेस ने यहां से एम. क्रिस्टोफर तिलक को उम्मीदवार बनाया है। इधर, भाजपा भी दो बार में 13 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर चुकी है।

नेपाल चुनाव 6 हजार 541 उम्मीदवारों का भविष्य मतपेटियों में संग्रह

काठमांडू। नेपाल प्रतिनिधि सभा चुनाव 2082 गुरुवार सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक संपन्न हुआ, जो मतदाता शाम 5 बजे तक मतदान केंद्र की लाइन में खड़े थे, उन्हें मतदान करने की अनुमति दी गई। इस चुनाव में प्रत्यक्ष प्रणाली के तहत 165 और समानुपातिक प्रणाली के तहत 110 सीटों सहित कुल 275 सीटों के लिए 6 हजार 541 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। चुनाव में देशभर में 1 करोड़ 89 लाख से अधिक मतदाता थे। निर्वाचन आयोग के अनुसार प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक 50 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। गुरुवार सुबह 7 बजे से शुरू हुआ प्रतिनिधि सभा चुनाव-2082 का मतदान शाम 5 बजे संपन्न हो गया। निर्वाचन आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक जो मतदाता मतदान केंद्र में प्रवेश कर चुके थे, उन्हें मतदान करने की अनुमति दी गई। लेकिन निर्धारित समय 5 बजे तक जो लोग लाइन में नहीं लग पाए, वे मतदान नहीं कर सके। इस चुनाव में प्रत्यक्ष प्रणाली के तहत 165 और समानुपातिक प्रणाली के तहत 110 सीटों सहित कुल 275 सीटों के लिए मतदान हुआ, जिसमें कुल 6 हजार 541 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। इसके अनुसार प्रत्यक्ष प्रणाली में 3 हजार 17 पुरुष, 388 महिला और एक अन्य सहित कुल 3 हजार 406 उम्मीदवार चुनावी प्रतिस्पर्धा में थे। इसी प्रकार समानुपातिक निर्वाचन प्रणाली में 1 हजार 363 पुरुष और 1 हजार 772 महिला सहित कुल 3 हजार 135 उम्मीदवार मैदान में थे। चुनाव में 96 लाख 63 हजार 358 पुरुष, 92 लाख 40 हजार 131 महिला और 200 अन्य सहित कुल 1 करोड़ 89 लाख 3 हजार 689 मतदाता थे। आयोग ने प्रारंभिक जानकारी में बताया कि 50 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। चुनाव के लिए देशभर में 10 हजार 967 मतदान स्थल और 23 हजार 112 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इसके अलावा 143 अस्थायी मतदान स्थल भी निर्धारित किए गए थे। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, अशक्त और गर्भवती महिलाओं को मतदान में सुविधा देने के लिए प्राथमिकता की व्यवस्था की गई थी। चुनाव की सुरक्षा के लिए 79 हजार 727 नेपाली सेना, 75 हजार 797 नेपाल पुलिस, 34 हजार 567 सशस्त्र पुलिस बल, 1 हजार 921 राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग के कर्मी तथा 1 लाख 49 हजार 90 निर्वाचन पुलिस तैनात किए गए थे। इसके अलावा चुनाव संपन्न कराने के लिए 2 लाख 15 हजार कर्मचारी भी लगाए गए थे। निर्वाचन आयोग ने बताया कि छिटपुट घटनाओं को छोड़कर चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

केंद्रीय मंत्री शिवराज चलाएंगे 'मामा कोचिंग'

- गरीब स्टूडेंट्स को प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री तैयारी कराएंगे, जन्मदिन पर लिए 5 संकल्प

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा, रायसेन और सीहोर जिले के भैरूंदा में मामा कोचिंग शुरू करेंगे। जहां विदिशा संसदीय क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग मिलेगी। इसमें मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं शामिल हैं।

दरअसल, शिवराज 5 मार्च को अपने 66वें जन्मदिन पर 5 संकल्प लेने जा रहे हैं। ये पर्यावरण, सेवा, सहायता, शिक्षा और प्रतिभा प्रोत्साहन से जुड़े हैं।

शिक्षा से जुड़े प्रण के तहत मामा कोचिंग में कंपटीटिव एग्जाम की तैयारी कराई जाएगी। कोचिंग ऑनलाइन भी होगी ताकि जो छात्र सेंटर तक नहीं आ पा रहे हैं, वे अपने घर पर रहकर इसका फायदा ले सकें।विदिशा, रायसेन और भैरूंदा में 100-100 स्टूडेंट्स का पहला बैच जल्द शुरू होगा। इसके लिए 5 मार्च से फार्म भरे जाएंगे।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित सरकारी बंगले का नाम 'मामा का घर' रखा है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव

डीएमके-कांग्रेस में सीट शेयरिंग तय

- कांग्रेस 28 विधानसभा सीटों पर लड़ेगी, डीएमके ने एक राज्यसभा की सीट भी दी

चेन्नई (तमिलनाडु) (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) और कांग्रेस पार्टी में बुधवार को सीट बंटवारे पर मुहर लग गई। डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीट दी हैं। इसके अलावा पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी दी गई है।

पार्टी नेताओं के अनुसार यह फैसला डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई के बीच हुई बैठक में लिया गया। राज्य में विधानसभा की 234 सीटें हैं। 2021 के चुनाव में डीएमके ने 133 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं।

संक्षिप्त समाचार

पटना-गया रेलखंड पर अज्ञात शव मिला, शुरुआती जांच में ट्रेन से गिरने की आशंका

पटना। गुरुवार को मसौढ़ी में पटना-गया रेलखंड पर गोपालपुर मठ के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों की सूचना पर मसौढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसार, शव रेलवे ट्रैक के समीप पड़ा मिला, जिससे यह दुर्घटना बीती रात की प्रतीत हो रही है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति की मौत ट्रेन से गिरने के कारण हुई है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह किस ट्रेन से गिरा। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। उसकी उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। मृतक ने नीले रंग की जींस और हाफ चेक शर्ट पहन रखी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मसौढ़ी थाना प्रभारी विवेक भारती ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पीएमसीएच के 30 जूनियर डॉक्टर्स पर केस दर्ज, नशे में मरीज और उनके परिजन से मारपीट

पटना। पीएमसीएच में कार्यरत और पढ़ रहे 25-30 जूनियर डॉक्टर्स के खिलाफ पटना के पीरबहोर थाने में केस रजिस्टर्ड हुआ है। इन सभी पर नशे में मारपीट करने और मोबाइल, ट्रॉली बैग छीनने का आरोप पेशेंट ने लगाए हैं। दरअसल मधुबनी के रहने वाले राहुल कुमार मिश्राक(31) ट्रेन से सफर कर रहे थे। इसी दौरान अथमलगोला के पास बीते 2 मार्च को उनके साथ मारपीट की घटना हुई थी। इस घटना में राहुल और उनके भाई सोनू घायल हो गए। उनका प्रारंभिक इलाज बाढ़ अनुमंडल के अस्पताल में कराया गया। इसके बाद डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया। राहुल ने बताया कि 3 मार्च को 11:15 बजे सुबह में PMCH आए। सर्जरी डिपार्टमेंट के डॉक्टर के द्वारा सीटी स्कैन बाहर से करने के लिए कहा गया। मैं इस पर कहा कि पुर्जा पर लिखकर दे दीजिए, यहां नहीं होगा। तो फिर मैं बाहर से करा लूंगा। इसी को लेकर बहस होने लगी। इस बात से डॉक्टर्स और गार्ड इतने गुस्से में आ गए कि मुझे, मेरी मां, मेरे भाई के साथ मारपीट शुरू कर दी। गालियां देने लगें। जैसे तैसे हम लोग वहां से निकलकर बाहर जान बचाकर भाग रहे थे। इसी बीच मरीन ड्राइव की ओर बाहर निकलने वाले रास्ते के पास PMCH कैंपस में तीनों भाइयों को गार्ड और 25 से 30 जूनियर डॉक्टर्स ने घेर लिया और बुरी तरह से मारने पीटने लगे।

बिहटा निजी कंपनी में गार्ड सुपरवाइजर की मौत परिजनों ने प्रबंधन पर लगाया हत्या का आरोप

पटना। बिहटा थाना क्षेत्र के महमदपुर पैनाल स्थित ओम करगटेड पैक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कार्यरत गार्ड सिक्योरिटी सुपरवाइजर रणविजय कुमार सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वैशाली जिले के विदुपुर थाना क्षेत्र के खिलवत गांव निवासी रणविजय के परिजनों ने कंपनी प्रबंधन पर हत्या का आरोप लगाया है। बिहटा पुलिस ने इस मामले में कंपनी के दो प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक के छोटे भाई विजय कुमार सिंह ने बिहटा थाना में कंपनी प्रबंधन के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए लिखित आवेदन दिया है। कंपनी के कर्मचारियों ने परिजनों को बताया कि रणविजय कुमार की मौत छत से गिरने के कारण हुई है। हालांकि, परिजनों का आरोप है कि उन्हें घटना की स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है, जिससे उन्हें हत्या की आशंका है। परिजनों के अनुसार, रणविजय कुमार पिछले करीब तीन वर्षों से कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। बुधवार शाम से ही वह कंपनी परिसर में मौजूद थे। कंपनी के एक स्टाफ सौरभ कुमार झा ने परिजनों को फोन कर रणविजय की गंभीर तबीयत की सूचना दी थी। मृतक के भाई विजय कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब चार बजे उन्हें भाई की नाजुक हालत की जानकारी मिली। जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो रास्ते में ही उन्हें रणविजय कुमार का शव सौंप दिया गया। रणविजय कुमार शादीशुदा थे और उनके परिवार में पत्नी और एक छोटी बच्ची है। दानापुर एसडीपीओ 2 अमरेंद्र कुमार झा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि ओम करगटेड पैक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत एक व्यक्ति की छत से गिरकर मौत हुई है। पीड़ित परिवार की ओर से आवेदन दिया गया है और प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

होली पर युवक की गोली मारकर हत्या, परिजन ने हाजीपुर-महनार रोड किया जाम

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के दाउदनगर गांव में होली के दिन युवक की गोली मारकर हत्या के मामले में गुरुवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही मृतक का शव गांव पहुंचा, परिजनों और ग्रामीणों ने हाजीपुर-महनार मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सड़क जाम होने से करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस के समझाने-बुझाने और जल्द कार्रवाई के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया, जिसके बाद यातायात फिर से सामान्य हो सका। जानकारी के अनुसार बुधवार को हुई वारदात के बाद गुरुवार देर रात जब पोस्टमार्टम के बाद मृतक रंजीत दास का शव उसके घर पहुंचा, तो परिवार में कोहराम मच गया। आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शव को लेकर हाजीपुर-महनार मुख्य मार्ग पर पहुंच गए और हनुमान मंदिर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रहे लोग हत्या के आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। अचानक हुए सड़क जाम से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क जाम की सूचना मिलते ही बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया। करीब एक घंटे तक चली बातचीत के बाद पुलिस के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। इसके बाद सड़क पर आवागमन फिर से सामान्य हो सका। मृतक की पहचान दाउदनगर गांव निवासी चंदेश्वर दास के पुत्र रंजीत दास के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार बुधवार को रंजीत गांव में ही कुछ लोगों के साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान आरोपी राजेश सिंह वहां पहुंचा और उनके साथ बैठ गया। बताया जा रहा है कि कुछ देर बातचीत के बाद उसने अचानक रंजीत पर गोली चला दी। गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत घायल रंजीत को इलाज के लिए बिदुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार और गांव में मातम छा गया।

ट्रक-बाइक की टक्कर, युवक की मौत, हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग पर हुआ हादसा, पुलिस ने 2 घंटे बाद हटाया जाम

हाजीपुर। वैशाली जिले में हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग संख्या 22 पर सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। यह घटना एक ट्रक और बाइक की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुई। मृतक की पहचान भगवानपुर निवासी अजय पटेल के रूप में की गई है। पुलिस के मुताबिक, बाइक सवार अजय पटेल कथित तौर पर गलत दिशा से आ रहा था और नशे में था। इसी दौरान उसकी बाइक की सामने से आ रहे एक ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अजय पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस के हस्तक्षेप और लोगों को समझाने के बाद लगभग दो घंटे बाद सड़क से जाम हटाया जा सका, जिसके बाद यातायात सामान्य हुआ।

मोकामा में ग्रामीणों-सीआरपीएफ के बीच झड़प, 8 लोग घायल

डीआईजी ने कहा- दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी, पटना

पटना में मोकामा के औंटा गांव में ग्रामीणों और सीआरपीएफ जवानों के बीच गुरूवार को हिंसक झड़प हो गई , जिसमें दोनों ओर के करीब 8 लोग घायल हो गए । वहीं घटना के बाद सूचना मिलने पर डीआईजी रवींद्र कुमार भगत और एसडीपीओ भी मौके पर पहुंचे और जाचं का आश्वासन दिया।

CRPF पर दरवाजा और खिड़कियां तोड़ने का आरोपः इस पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कुछ लोग CRPF कैंप के पास होली खेल रहे थे इसी दौरान CRPF के जवानों ने उनके साथ मारपीट की और गांव में घुस कर घरों के दरवाजे , खिड़कियां तोड़ दी। ग्रामीणों ने जवानों पर महिलाओं और बच्चों के साथ भी मारपीट करने का आरोप लगाया।

दोनों पक्षों का बयान दर्जः घटनास्थल पर पहुंचे डीआईजी रवींद्र कुमार भगत ने ग्रामीणों से बात की। उन्होंने कहा कि जांच टीम ग्रामीणों और सीआरपीएफ जवानों, दोनों के बयानों को दर्ज करेगी। उन्होंने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जो भी सच्चाई सामने आएगी, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। गलती चाहे ग्रामीणों की हो या सीआरपीएफ के जवानों की, दोषी पाए जाने पर सजा भुगतनी होगी।

CRPF ने क्या कहा इस पूरे मामले को लेकर CRPF के जवानों का कहना है कि होली के दिन गांव के लोगों ने सादी वर्दी में घूम रहे जवानों के साथ मारपीट और गाली-गलौज की थी। जिसके बाद हम हाथीदह थाने की पुलिस के साथ उन लोगों को पकड़ने के लिए पकड़ने के लिए गांव में घुसे थे।

पीड़ितों से मिले अधिकारीः जांच के दौरान अधिकारी केवल मुख्य सड़कों तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने औंटा गांव के प्रभावित घरों में जाकर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने उन घरों का निरीक्षण किया जहां जवानों द्वारा तोड़फोड़ या मारपीट के आरोप लगाए गए थे। डीआईजी ने पीड़ित महिलाओं और पुरुषों की बात सुनी और उनके घावों और नुकसान को बारीकी से देखा।

DIG ने क्या कहाः डीआईजी रविंद्र भगत ने बताया कि कुछ लोगों को CRPF कैंप के पास नशेबाजी करने से रोका गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने गेट पर हंगामा किया और गाली गलौज की। वहीं उन्होंने जाचं का आश्वासन दिया है।

अबीर खेलने निकले तीन युवकों को कार ने कुचला

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के पंडारक थाना क्षेत्र में अबीर खेलने जा रहे तीन लोगों को एक अज्ञात गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान 32 वर्षीय भुल्ला के रूप में हुई है, जबकि घायलों में हरिहर महतो और झौरी महतो शामिल हैं। ये सभी पंडारक के निवासी हैं।

अज्ञात चार पहिया गाड़ी ने मारी टक्करः जानकारी के अनुसार, तीनों व्यक्ति गांव में अबीर खेलने के लिए जा रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद गाड़ी मौके पर पलट गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अबीर खेलने जा रहे थे, तभी हुए हादसे के शिकारः घायल हरिहर महतो के चाचा अमीरक महतो ने बताया कि, 'तीनों अबीर खेलने जा रहे थे, तभी सामने से आ रही फोर व्हीलर ने टक्कर मार दी। एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।' घायल झुरी महतो ने बताया कि, 'वे थाना के पास अपनी साली से अबीर की होली खेलने जा रहे थे, तभी अचानक सामने से आ रही गाड़ी ने टक्कर मार दी। उन्हें अस्पताल पहुंचने के बाद अपने साथी की मौत की जानकारी मिली।'

फरार ड्राइवर की तलाश जारीः पंडारक थाना अध्यक्ष नवनीत राय ने पुष्टि किया कि टक्कर मारने वाला वाहन एक गड्ढे में पलट गया है और उसका चालक मौके से फरार हो गया है। उसकी तलाश की जा रही है।

पटना के पंडारक में गड्ढे में पलटी गाड़ी, एक की मौत

पिपलावां में नहर पथ पर बाइक हादसा, युवक की मौके पर मौत

एजेंसी, पटना

पीपलावां थाना क्षेत्र के बिक्रम-नौबतपुर नहर पथ पर बुधवार शाम करीब 7:30 बजे एक सड़क हादसे में 27 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान रानीतालाब थाना क्षेत्र के सेलगढ़ निवासी आनंद विशाल (27 वर्ष) के रूप में हुई है। वह विजय कुमार के इकलौते पुत्र थे। जानकारी के अनुसार, आनंद विशाल पटना में कैब चलाते थे। बुधवार शाम वह अपने घर पर दोस्तों के साथ होली खेलने के बाद पटना जाने के लिए अपनी R15 बाइक से निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक तेज रफ्तार में थी।

फरीदपुरा के पास अचानक बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर से युवक के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी।

❐ दोस्तों के साथ होली खेलने के बाद पटना जाते वक्त हुई दुर्घटना

सूचना मिलते ही पीपलावां थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पीपलावां थाना के अपर थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि परिजनों को सूचित कर दिया गया है और वे मौके पर पहुंच गए हैं। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। इकलौते पुत्र की असामयिक मृत्यु से परिवार में मातम छा गया है।

अग्निशमन विभाग के आईजी एम सुनील नायक आंध्र पहुंचे, स्टेटमेंट रिकॉर्ड करेगी आंध्र पुलिस

एजेंसी, पटना

बिहार अग्निशमन विभाग के IG एम सुनील नायक आंध्र प्रदेश पहुंच गए हैं। आंध्र हाईकोर्ट के डायरेक्शन के मुताबिक पूर्व सांसद के रघु रामकृष्णा राजू के साथ प्रताड़ना मामले में अपना स्टेटमेंट केस के इन्वेस्टिगेशन ऑफीसर के सामने रिकॉर्ड कराएंगे। मामले में आंध्र पुलिस आईजी एम सुनील नायक को बलपूर्वक अरेस्ट करके पटना से आंध्र ले जाना चाहती थी, लेकिन अधूरे डॉक्यूमेंट के चलते नहीं ली जा पाई थी। पटना सिविल कोर्ट ने आधे अधूरे डॉक्यूमेंट के कारण ट्रांजिट रिमांड रिफ्यूज कर दिया था। आंध्र पुलिस के सख्त रुख को देखते हुए एंटीसिपेटरी बेल के लिए आईजीएम सुनील नायक की ओर से आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में अर्जी लगाई है। जिस पर सुनवाई चल रही है। सुनील नायक के अधिवक्ता कुणाल तिवारी के अनुसार मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी। फिलहाल कोर्ट ने आंध्र पुलिस के एक्शन पर रोक लगा दिया है। अधिवक्ता कुणाल तिवारी ने बताया कि सुनील नायक 2021 में आंध्र प्रदेश में डेप्युटेशन पर सीआईडी में डीआईजी थे। पूर्व सांसद लगातार वहां के सीएम के बारे में अभद्र टीका टिप्पणी कर रहे थे। इसे लेकर सीआईडी के डीजी ने सुनील नायक को इंक्वारी करने के लिए कहा था। इन्होंने इंक्वारी की। इनकी इंक्वाइरी के आधार पर पूर्व एमपी के खिलाफ केस दर्ज हुआ। बस इनका रोल यही तक था। अधिवक्ता ने कहा कि सुनील नायक 2023 में वापस बिहार आ गए। जब आंध्र में सरकार बदली तो 2021 के मामले को लेकर 2024 में पूर्व सांसद ने केस रजिस्टर्ड कर दिया। हालांकि इसमें भी आईजी एम सुनील नायक को नामजद नहीं किया गया था। मामला तब तूल पकड़ा जब 2025 में आंध्र पुलिस ने BNSS 179 के तहत सुनील नायक को समन किया। जो नियमों के खिलाफ है, क्योंकि पुलिस इसके तहत लोकल जूरिडिक्शन या एडजॉइनिंग जूरिडिक्शन में ही स्टेटमेंट रिकॉर्ड करने के लिए समन दे सकती है। सुनील नायक ने इसका जवाब दिया। उन्होंने आंध्र पुलिस को बताया कि मुझे 3 महीने का समय चाहिए। फिलहाल अभी मैं ऑफिशियल काम में व्यस्त हूं। होम मिनिस्टरी में मीटिंग है, लेकिन आंध्र पुलिस इन्हें लगातार आने के लिए फोर्स करने लगी।

◆ पूर्व सांसद से जुड़े मामले को लेकर 9 मार्च को सुनवाई

आंध्र पुलिस के फोर्स करने पर सुनील नायक ने पटना हाईकोर्ट में रीट फाइल की। कोर्ट को बताया गया कि BNSS 179 के तहत आंध्र पुलिस बिहार में समन नहीं दे सकती है। इस पर कोर्ट ने सुनवाई के बाद स्टे लगा दिया। 9 मई 2025 को पटना हाईकोर्ट का एक फैसला आया जिसमें कहा गया कि आंध्र पुलिस टीम भेज कर या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनील नायक का स्टेटमेंट रिकॉर्ड कर सकती है। सुनील नायक के खिलाफ कोई जबरदस्ती का एक्शन नहीं लिया जा सकता है। इसके कुछ दिनों के बाद आंध्र पुलिस ने इस मामले में सुनील नायक को आरोपी बना दिया।

होली के दिन पीएमसीएच में सबसे ज्यादा पहुंचे घायल

एजेंसी, पटना

होली के दिन पटना की सड़कों पर हुए सड़क हादसों के कारण शहर के अस्पतालों में भारी भीड़ देखी गई। इन दुर्घटनाओं में कई लोग घायल हुए, जिन्हें विभिन्न सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में सबसे ज्यादा 25 घायलों का इलाज किया गया, जबकि गार्डिनर अस्पताल में 12 और इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में 9 घायलों का उपचार हुआ। स्वास्थ्य विभाग ने होली के दौरान सड़क दुर्घटनाओं, रंग-गुलाल से एलर्जी और झगड़े-हंगामे की आशंका को देखते हुए पहले से ही हाई अलर्ट जारी किया था। अस्पतालों में एक्सट्रा बेड आरक्षित रखे गए थे और आपातकालीन सेवाओं को मजबूत किया गया था।

ज्यादातर मरीज के हाथ-पैर और सिर में चोटः PMCH के आपातकालीन वार्ड में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की टीम लगातार मरीजों के इलाज में व्यस्त रही। यहां सड़क हादसों के सबसे अधिक मरीज पहुंचे, जिनमें कई को सिर-हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं। IGIMS की आपातकालीन इकाई में भी डॉक्टरों की विशेष टीम तैनात थी। यहां दुर्घटनाओं के अलावा रंगों से एलर्जी और आंखों में जलन की शिकायत वाले मरीज भी पहुंचे। अस्पताल प्रशासन ने आवश्यक दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की थी। गार्डिनर अस्पताल में भी आपातकालीन सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहीं, जहां अधिकांश मरीज बाइक दुर्घटनाओं में घायल हुए थे।

इमरजेंसी के लिए डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ तैनात किए गए थेः PMCH के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया, 'होली के मद्देनजर अस्पताल को पूरी तरह अलर्ट पर रखा गया था। आपातकालीन सेवाओं में अतिरिक्त डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को तैनात किया गया था, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों और जिला अस्पतालों में 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं सक्रिय रहीं और आवश्यकता पड़ने पर सर्जरी टीम को भी तैयार रखा गया था।' एम्बुलेंस सेवा भी रही सतर्क स्वास्थ्य विभाग ने एम्बुलेंस सेवा को भी अलर्ट मोड में रखा था। सड़कों पर एंबुलेंस की तैनाती की गई थी, ताकि हादसे के तुरंत बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा सके। सिविल सर्जन डॉ. योगेन्द्र प्रसाद मंडल ने बताया कि होली के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राजधानी की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद रही। हुड़दंग, सड़क दुर्घटनाओं या रंग-गुलाल से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए डॉक्टरों की टीम चौबीसों घंटे अलर्ट रही।

♦ अस्पतालों में एक्सट्रा बेड रिजर्व थे, इमरजेंसी के लिए स्पेशल डॉक्टरों की टीम बनी थी

पहले से की गई थी व्यापक तैयारी होली से पहले ही अस्पतालों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए थे। ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त की उलब्धता थी। साथ ही ट्रॉमा और इमरजेंसी वार्ड में अतिरिक्त बेड आरक्षित रखे गए थे। त्योहार के दिन भले ही शहर में रंग और उत्साह का माहौल रहा, लेकिन अस्पतालों में दिनभर आपाधापी का माहौल देखने को मिला। राहत की बात यह रही कि अधिकांश घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई गईं।

तेज रफ्तार कार ने 4 वर्षीय बच्ची को कुचला, मौत

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में होली की शाम एक सड़क हादसे में चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। छोटी पहाड़ी मोहल्ले में सड़क किनारे खेल रही बच्ची को एक तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने कार में सवार एक व्यक्ति की पिटाई की और वाहन में तोड़फोड़ की। मृतका की पहचान गुलजान परवीन (4 वर्ष) के रूप में हुई है।

सड़क किनारे खेल रही थी बच्चीः वह अपने पिता मोहम्मद फैयाज हसन के साथ छोटी पहाड़ी स्थित किराये के मकान में रहती थी। मोहम्मद फैयाज हसन मूल रूप से मधेपुरा के निवासी हैं और पटना में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बताया गया कि होली के अवसर पर मोहल्ले में बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान अचानक एक कार ने सड़क किनारे खेल रही गुलजान परवीन को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना गंभीर था कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई।

गुस्साई भीड़ ने एक कार सवार को पीटाः घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने कार को पकड़ लिया और उसमें सवार एक व्यक्ति, जिसकी पहचान मुकेश कुमार के रूप में हुई है, जिसकी जमकर पिटाई कर दी। हालांकि, कार चला रहा चालक सूरज कुमार मौके से फरार हो गया। आक्रोशित भीड़ ने गाड़ी में भी तोड़फोड़ की और हंगामा किया।

6 महीने से इंसेंटिव नहीं मिलने से परेशान आशा कार्यकर्ता

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) फुलवारी शरीफ में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं को पिछले छह महीनों से प्रोत्साहन राशि (इंसेंटिव) का भुगतान नहीं हुआ है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति पर असर पड़ा है। उन्हें परिवार चलाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

आशा कार्यकर्ताओं संगीता देवी, रूबी कुमारी, शमा प्रवीण और गायत्री देवी समेत कई अन्य ने बताया कि प्रोत्साहन राशि न मिलने के कारण उनके त्योहार भी फीके पड़ गए हैं। दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के बाद अब होली का त्योहार भी बिना भुगतान के गुजर गया। उन्होंने कहा कि समय पर पैसे न मिलने से दैनिक खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं की अहम कड़ी हैं आशा कार्यकर्ताः आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती हैं। वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं की देखभाल, अस्पताल में प्रसव कराने, बच्चों के टीकाकरण, परिवार नियोजन और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को आम लोगों तक पहुँचाने की जिम्मेदारी निभाती हैं।

10 मार्च को हो सकती है बारिश, 5 जिलों में बिजली-ओले गिरने के आसार

एजेंसी, पटना

बिहार में मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी पड़ने लगी है। बीते 24 घंटे के दौरान राज्य का मौसम शुष्क बना रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार अगले एक सप्ताह के दौरान ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। मौसम शुष्क रहेगा। चिलचिलाती धूप के चलते दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल होगा। पिछले 24 घंटे में राज्य का सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान बांका में 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पटना, मुजफ्फरपुर, गया समेत राज्य के अन्य शहरों में गर्मी ज्यादा महसूस हो रही है। ग्रामीण इलाकों में रात से सुबह तक हल्की ठंडक है।

सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.3 डिग्री सेल्सियस औरंगाबाद में दर्ज किया गया। राज्य का न्यूनतम तापमान 13.3 से 19.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग के अनुसार इस साल लू वाले दिनों की संख्या ज्यादा रह सकती है। मई के बदले अप्रैल से ही लू चलने की आशंका है। अगले एक सप्ताह में बिहार का मौसम कैसा रहेगा? इस साल गर्मी कितनी पड़ेगी? मानसून कैसा रहेगा?

IMD के अनुसार अगले 6 दिनों तक बिहार में मौसम शुष्क बना रहेगा। इसके बाद सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार जिले में एक या दो स्थानों पर बारिश हो सकती है। अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के अनेक स्थानों के अधिकतम तापमान में 1-3°C की वृद्धि होगी। वहीं, अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के अनेक स्थानों के न्यूनतम तापमान में 2-4°C की वृद्धि होगी। एक सप्ताह में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस या इससे ऊपर पहुंच सकता है। IMD ने 5 मार्च से 9 मार्च 2026 तक के लिए राज्य के किसी भी जिले के लिए मौसम संबंधी कोई चेतावनी जारी नहीं की है। 10 मार्च को सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में एक या दो स्थानों पर बारिश होने और बिजली गिरने की संभावना है। हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

संक्षिप्त समाचार

जिहुली के झुनखूनवा में युवक का शव मिलने से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

बीएनएम @ पताही। पूर्वी चंपारण जिले के पताही थाना क्षेत्र अंतर्गत जिहुली पंचायत के वार्ड संख्या 13 झुनखूनवा में बुधवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से फंदे के सहारे लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान जिहुली गांव निवासी 22 वर्षीय प्रकाश माझी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वह मंगलवार रात से ही घर से लापता था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह गांव के समीप एक पेड़ से युवक का शव फंदे के सहारे लटका देख स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पताही थानाध्यक्ष बबन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद जिहुली गांव में शोक का माहौल है और ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

थरबिटिया–चोरमा रोड पर बाइक हादसा, एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

बीएनएम @ पकड़ीदयाल। थाना क्षेत्र के थरबिटिया–चोरमा रोड पर तेज रफ्तार बाइक का संतुलन बिगड़ने से हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका मित्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार राजेपुर नवादा निवासी सुंदरम कुमार सिंह अपने मित्र अमित कुमार के साथ बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान थरबिटिया के पास बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। संतुलन बिगड़ते ही दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि सुंदरम कुमार सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अमित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने सुंदरम को मृत घोषित कर दिया। वहीं अमित कुमार की हालत नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें सदर अस्पताल मोतिहारी रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही पकड़ीदयाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। थानाध्यक्ष अशोक साह ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

होली से पहले होटल में पुलिस की छापेमारी, मैनेजर समेत चार हिरासत में

बीएनएम @ रामगढ़वा। होली पर्व को देखते हुए मंगलवार की शाम रामगढ़वा बाजार के मेन रोड स्थित ब्लू डायमंड होटल में पुलिस ने छापेमारी कर होटल मैनेजर सहित तीन अन्य महिला-पुरुष को हिरासत में लिया। कार्रवाई वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर थानाध्यक्ष राजीव साह के नेतृत्व में की गई। थानाध्यक्ष राजीव साह ने बताया कि स्थानीय शिकायत मिलने के बाद और होली के मद्देनजर होटल में छापेमारी की गई थी। जांच के दौरान होटल से एक महिला और दो पुरुषों के साथ होटल मैनेजर को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में पता चला कि संबंधित महिला और पुरुष के बीच पहले से प्रेम संबंध था। इसके बाद वरीय अधिकारियों को मामले की जानकारी दी गई और सभी को उनके परिजनों के समक्ष पीआर बॉन्ड पर छोड़ दिया गया। पुलिस ने बताया कि होटल संचालक से भी पीआर बॉन्ड भरवाया जाएगा, ताकि भविष्य में संदिग्ध परिस्थितियों में आने वाले महिला-पुरुषों को होटल में कमरा नहीं दिया जाए। साथ ही क्षेत्र के सभी आवासीय होटलों की समय-समय पर जांच भी की जाएगी।

पाकिस्तान नंबर से चैट का खुलासा, तीन एटीएम कार्ड व दो मोबाइल के साथ युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से तीन एटीएम कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 4 मार्च की शाम गुप्त सूचना के आधार पर मझौलिया थाना क्षेत्र के मझौलिया चीनी मिल गेट के पास छापेमारी की गई। इस दौरान 25 वर्षीय खुर्शेद आलम को गिरफ्तार किया गया। वह अमरूदीन मियां का पुत्र है और मझौलिया थाना क्षेत्र के जोकटीया वार्ड संख्या–13 चौबे टोला का निवासी बताया जाता है। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से तीन एटीएम कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद किए। जांच में मोबाइल फोन के व्हाट्सएप चैट में पाकिस्तान के कंट्री कोड (+92) से बातचीत के साक्ष्य मिले हैं। साथ ही चैट में कई क्यूआर कोड भी पाए गए हैं। पुलिस पूरे मामले को साइबर ठगी से जुड़े नेटवर्क के तौर पर जांच कर रही है। इस संबंध में मझौलिया थाना कांड संख्या 247/26 दर्ज करते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 319(2), 318(4), 303(2), 317(4), 317(5), 111(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66(सी) और 66(डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर–1 बेतिया के नेतृत्व में मझौलिया थाना के पु.नि. सह थानाध्यक्ष अमर कुमार, पु.अ.नि. अनुज कुमार ओझा, पीटीसी–557 निलेश कुमार, सिपाही–547 आनंद कुमार तथा थाना रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और मामले से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार को लेकर मासिक समीक्षा बैठक आयोजित, वाद-विवाद प्रतियोगिता की तैयारियों पर जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित मासिक समीक्षात्मक बैठक सरफराज नवाज, प्रभारी पदाधिकारी जिला उर्दू भाषा कोषांग-सह-उप निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में गुरुवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्ण भवन में आयोजित की गई। उक्त बैठक में प्रभारी पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि प्रत्येक मासिक बैठक में सभी उर्दू कर्मी वांछित प्रतिवेदन के साथ समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। विलंब से आने वाले अथवा बिना पूर्व सूचना/ अनुमति के अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपस्थित सभी उर्दू कर्मियों से मासिक प्रगति प्रतिवेदन प्राप्त किया गया तथा उसमें दर्ज प्रविष्टियों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सभी कर्मियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार तथा आमजन के बीच उर्दू के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सक्रिय प्रयास करें। बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में सभी उर्दू कर्मियों को प्रतिदिन उर्दू भाषा के लिए किए जा रहे कार्यों को वजाहती नोट में समेकित करते हुए उसका साप्ताहिक प्रतिवेदन उर्दू में स्वहस्तलिखित तैयार कर जिला उर्दू भाषा कोषांग के व्हाट्सएप समूह में भेजना सुनिश्चित करने को कहा गया था। इस संबंध में कुछ कर्मियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की गई तथा शेष कर्मियों को भी इसका अनुपालन करने की हिदायत दी गई। वहीं उर्दू विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना (2025-26) के अंतर्गत आयोजित होने वाली वाद-विवाद प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा उक्त प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 30 मार्च 2026 को नगर के डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भवन के सभागार में करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रभारी पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि उक्त तिथि को सभागार आरक्षित रखने के लिए जिला नजारत उपसमाहर्ता, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी को पत्र भेजा जाए। साथ ही विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा जिले के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों और मदरसों को भी पत्र प्रेषित किया जाए। सभी उर्दू कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने प्रखंडों के शिक्षण संस्थानों में पत्र की तामिला सुनिश्चित करें और उर्दू भाषी विद्यार्थियों की अधिकाधिक भागीदारी के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास करें। प्रतिभागी विद्यार्थियों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्राप्त कर 20 मार्च 2026 तक हर हाल में जिला उर्दू भाषा कोषांग को उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि कार्यक्रम की आगे की तैयारियाँ समय पर की जा सकें। यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मैट्रिक, इंटर तथा स्नातक—तीनों वर्गों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता के विषय हेतु तीन-तीन विकल्प दिए जाएंगे, जिससे प्रतिभागियों में प्रतियोगिता के प्रति अधिक रुचि उत्पन्न हो सके। सभी उर्दू कर्मियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतियोगिता की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि छात्र-छात्राएं समय रहते तैयारी कर सकें। इसके अतिरिक्त प्रखंडवार संभावित प्रतिभागी छात्र-छात्राओं की सूची पूर्ण विवरण सहित जिला उर्दू भाषा कोषांग को उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया। साथ ही प्रतिभागियों को अपने चयनित विषय की हार्ड कॉपी साथ लाने के लिए कहा गया, ताकि उत्कृष्ट प्रस्तुतियों को जिला उर्दू नामा पत्रिका में प्रकाशित किया जा सके।

शराब के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई, विभिन्न थाना क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में शराब बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर पुलिस ने बड़ी मात्रा में शराब बरामद की है तथा एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। ढाका थाना क्षेत्र में की गई छापेमारी के दौरान पुलिस ने 300 बोतल नेपाली शराब, कुल 90 लीटर, बरामद की है। इस कार्रवाई में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही शराब तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं पिपराकोठी थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर वाटगंज बेला और हथियाही गांव में छापेमारी कर पुलिस ने 80 लीटर देशी चुलाई शराब तथा 15.750 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा हरसिद्धि थाना क्षेत्र के गायघाट गांव में भी गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जहां से पुलिस ने 15.840 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस मामले में भी पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

एमजीसीयू ने इन्फ्लिबनेट सेंटर के साथ किया एमओयू, शोध को मिलेगी वैश्विक पहचान

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी ने गुजरात के गांधीनगर स्थित इन्फ्लिबनेट सेंटर (INFLIBNET) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौते का उद्देश्य विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुसंधान को मजबूत करना तथा उसके शोध कार्यों को वैश्विक स्तर पर अधिक पहचान दिलाना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि यह सहयोग विश्वविद्यालय में सशक्त अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में अहम कदम है। इससे शोधार्थियों और शिक्षकों को विश्वस्तरीय डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ मिलेगा, जिसके माध्यम से वे अपने बौद्धिक कार्यों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर सकेंगे। समझौते के तहत विश्वविद्यालय के शोध प्रबंध और थीसिस जैसे अकादमिक कार्य शोधगंगा प्लेटफॉर्म के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक समुदाय के लिए उपलब्ध होंगे। इसके अलावा विश्वविद्यालय में "शोध चक्र" प्लेटफॉर्म को अपनाया जाएगा, जिसके जरिए शोधार्थियों के पंजीकरण से लेकर थीसिस के अंतिम प्रस्तुतिकरण तक पूरे शोध कार्य का सुव्यवस्थित प्रबंधन किया जा सकेगा। इस साझेदारी के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनिवार्य साहित्यिक चोरी की जांच के लिए उन्नत डिजिटल उपकरणों और शैक्षणिक सत्यनिष्ठा मानकों को भी प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। साथ ही इन्फ्लिबनेट सेंटर द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए विशेष प्रशिक्षण व मार्गदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। एमओयू पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और इन्फ्लिबनेट सेंटर की निदेशक प्रो. देविका पी. मदल्ली ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. रणजीत कुमार चौधरी ने कहा कि यह समझौता कुलपति की दूरदर्शी सोच का परिणाम है और इससे विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शोध को नई गति मिलेगी।

होली के दिन दर्दनाक हादसा: बलुआ नहर में गिरी बाइक, पुजारी की मौके पर मौत, एक युवक गंभीर

बीएनएम @ पताही

थाना क्षेत्र में होली के दिन एक दर्दनाक सड़क हादसे में पुजारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बलुआ नहर के पास बने पुल के समीप हुई, जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। मिली जानकारी के अनुसार, दो युवक बाइक से डुमरी की ओर से पताही आ रहे थे। जैसे ही वे बलुआ नहर पर बने पुल के पास पहुंचे, बाइक असंतुलित हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि पुल की टूटी रेलिंग और तेज रफ्तार के कारण बाइक सीधे नहर में गिर गई। हादसा इतना भयावह था कि पताही पूर्वी पंचायत के वार्ड संख्या चार निवासी गांधी मंडल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वे पेशे से पुजारी थे। वहीं, चंपापुर गांव निवासी रंजीत कुमार इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पताही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण बाइक का असंतुलित होना बताया जा रहा है, हालांकि अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बलुआ नहर पर बने पुल की रेलिंग लंबे समय से टूटी हुई है, जिससे यहां अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार प्रशासन को सूचना दी गई, लेकिन अब तक मरम्मत नहीं कराई गई है। लोगों ने पुल की रेलिंग की तत्काल मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डुमरियाघाट में पुलिस का अभियान तेज, हत्या के प्रयास, छेड़खानी व शराब मामले में तीन गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के डुमरियाघाट थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ संबंधित कांडों में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 73/26 में हत्या के प्रयास के मामले में रामपुर खजुरिया निवासी मंजय गिरी, पिता रामनारायण गिरी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं थाना कांड संख्या 74/26 में छेड़खानी के आरोप में रामपुर खजुरिया निवासी भूषण कुमार, पिता रकटू राय को भी पुलिस ने दबोच लिया। इसके अलावा थाना कांड संख्या 75/26 में शराब पीने के मामले में रामपुर खजुरिया निवासी मो० कुर्बान, पिता मो० सुल्तान को गिरफ्तार किया गया है। डुमरियाघाट थाना पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

शॉर्ट सर्किट से फूस की झोपड़ी में लगी आग, एक लाख नकद समेत लाखों की संपत्ति राख

बीएनएम @ डुमरियाघाट

थाना क्षेत्र के उत्तरी हुसैनी पंचायत स्थित जलवा टोली गांव में गुरुवार सुबह फूस के एक झोपड़ीनुमा घर में आग लगने से लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। आग लगने का कारण बिजली के सॉकेट से शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। अग्निपीड़ित नवीजान मियां ने बताया कि पुराने घर से निकलकर वह इन दिनों अपने नए घर के निर्माण स्थल के पास बने फूस के झोपड़ीनुमा घर में रह रहे थे। उसी झोपड़ी में उन्होंने अपने दैनिक उपयोग की सभी सामग्री रखी थी। उन्होंने बताया कि गिट्टी गिराने के लिए बैंक से एक लाख रुपये निकालकर लाए थे, जो उसी झोपड़ी में रखे थे। इसके अलावा जमीन के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज, अनाज, साइकिल, कपड़े सहित अन्य सामान भी वहीं रखा था। गुरुवार सुबह वह झोपड़ी से उठकर अपने पुराने घर चले गए थे। इसी दौरान झोपड़ी में बिजली के सॉकेट से आग सुलगने लगी और धीरे-धीरे उसने विकराल रूप ले लिया। जब तक ग्रामीणों की नजर पड़ी, तब तक झोपड़ी के अंदर रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मिट्टी, बालू व पानी की मदद से आग पर काबू पाया।

कर्तव्य और करुणा का संगम: होली पर मोतिहारी पुलिस को नागरिकों का स्नेहपूर्ण सम्मान

बीएनएम @ मोतिहारी

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, अपनत्व और मानवीय संवेदनाओं के अद्भुत समागम का प्रतीक है। इस अवसर पर जहां लोग दूर-दराज से अपने घर लौटकर परिवार और मित्रों के साथ उल्लासपूर्वक पर्व मनाते हैं, वहीं समाज की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन के कंधों पर होती है। वे अपने निजी उत्सव को पीछे रखकर जनहित में निरंतर कर्तव्यपथ पर तैनात रहते हैं। इसी भावनात्मक और सामाजिक उत्तरदायित्व की सराहना करते हुए मोतिहारी के प्रतिष्ठित नागरिक संगठन सिटीजन फोरम ऑफ मोतिहारी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने होली के पावन अवसर पर शहर में तैनात पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को अपने परिवार का सदस्य मानते हुए उन्हें शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। फोरम के अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव और सचिव धर्मवर्धन प्रसाद के नेतृत्व में संगठन की टीम ने सबसे पहले नगर थाना पहुँचकर वहाँ तैनात पुलिस कर्मियों को मिठाई, नमकीन एवं मेवा खिलाकर होली की बधाई दी तथा स्नेहपूर्वक अबीर लगाकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। पुलिस पदाधिकारियों ने इस आत्मीय पहल के लिए सिटीजन फोरम का धन्यवाद ज्ञापित किया और इसे समाज व पुलिस के बीच सकारात्मक संबंधों का प्रेरक उदाहरण बताया। इसके उपरांत फोरम की टीम नाका नंबर-एक तथा छतौनी थाना पहुँची, जहाँ उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ होली की खुशियाँ साझा कीं और उनके समर्पण को नमन किया। इस अभियान के संयोजक फोरम के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र जालान थे। उनके साथ वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य सुधीर गुप्ता, अमित कुशवाहा और चंदू मिश्रा भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बॉर्डर न्यूज़ मिरर को राम भजन जी ने जानकारी दी कि इस प्रकार के प्रयास समाज और सुरक्षा तंत्र के बीच विश्वास, सम्मान और सहयोग की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं, जो किसी भी स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज की आधारशिला है। इस प्रकार मोतिहारी में होली का यह अवसर केवल रंगों और उल्लास तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कर्तव्यनिष्ठा के प्रति कृतज्ञता और सामाजिक एकता का सजीव उदाहरण भी बन गया।

संक्षिप्त समाचार

किराये के मकान में चल रहा था नशे का कारोबार, मां-बेटे के पास से 458 ग्राम स्मैक बरामद

बीएनएम @ रामगढ़वा। पूर्वी चंपारण जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामगढ़वा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने छापेमारी कर 458 ग्राम स्मैक के साथ मां-बेटे को गिरफ्तार किया है, जो किराये के मकान में रहकर नशे का कारोबार चला रहे थे। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिले में सूखे नशे के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में डीएसपी मनीष आनंद के नेतृत्व में रामगढ़वा थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह, एसआई रेणु कुमारी, एसआई सुमित कुमार, एसआई मनीष कुमार, एसआई अजीत सिंह तथा एसआई परमानंद यादव की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रामगढ़वा बाजार में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने नौ पैकेट में रखे गए कुल 458 ग्राम स्मैक बरामद किए। मौके से समसीदा खातून और उनके पुत्र दिलशाद को गिरफ्तार किया गया। दोनों की पहचान नकरदेई थाना क्षेत्र के सरसिया मॉल गांव के निवासी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों रामगढ़वा बाजार में किराये का कमरा लेकर स्मैक की तस्करी कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एसबीआई नेशन फर्स्ट ट्रांजिट कार्ड, एक एसबीआई शॉपिंग कार्ड, बैंक ऑफ बड़ौदा का एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, दो पैन कार्ड तथा एसबीआई की पासबुक भी जब्त की है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के नशा मुक्ति अभियान के तहत की गई है। इस मामले में शामिल अन्य तस्करों की पहचान की जा रही है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। गिरफ्तार मां-बेटे को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

विभिन्न कांडों में पांच अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। मझौलिया थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस द्वारा यह कार्रवाई विभिन्न कांडों के तहत की गई है। पुलिस के अनुसार मझौलिया थाना कांड संख्या 247/26 में अभियुक्त खुर्शीद आलम, उम्र 25 वर्ष, पिता अमरुद्दीन मियां, निवासी जोगापट्टी वार्ड संख्या 13 चौबे टोला, थाना मझौलिया, जिला पश्चिम चंपारण को गिरफ्तार किया गया। वहीं मझौलिया थाना कांड संख्या 248/26 में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में मुन्ना कुमार, उम्र 25 वर्ष, पिता कपिल साहनी, अरविंद साहनी, उम्र करीब 45 वर्ष, पिता स्व. विशुन साहनी तथा विद्या साहनी, उम्र करीब 40 वर्ष, पिता स्व. विशुन साहनी, सभी निवासी परसौनी पचरुखिया वार्ड संख्या 03, थाना मझौलिया, जिला पश्चिम चंपारण शामिल हैं। इसके अलावा मझौलिया थाना कांड संख्या 42/23 में अभियुक्त महेंद्र कुमार, पिता मोहन पुरी, निवासी महना वार्ड संख्या 07, थाना मझौलिया, जिला पश्चिम चंपारण को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

एनएच-27 पर होली के दिन भीषण हादसा : तेज रफ्तार कार-बाइक की टक्कर में युवक की मौके पर मौत, ओमनी पलटी

बीएनएम@ डुमरियाघाट। होली के दिन बुधवार को नेशनल हाईवे-27 पर डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के पहल चौक के समीप तेज रफ्तार कार और बाइक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मुन्ना साह (45 वर्ष) के रूप में की गई है, जो छोटेलाल साह का पुत्र था और संग्रामपुर थाना क्षेत्र के मधुबनी गांव का निवासी बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुन्ना साह बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार मारुति ओमनी कार से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सड़क पर ही पलट गई, जबकि बाइक सवार युवक बाइक समेत सड़क किनारे निर्माणाधीन दीवार से जा टकराया। हादसे की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि निर्माणाधीन दीवार भी काफी दूर तक क्षतिग्रस्त हो गई। गंभीर चोट लगने से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डुमरियाघाट पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पलटी कार को सड़क से हटवाकर आवागमन को सुचारू कराया तथा कार और बाइक को जब्त कर थाना ले आई। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है और फरार कार चालक की तलाश में पुलिस जुट गई है।

नहर में डूबने से युवक की मौत, नहाने के दौरान हुआ हादसा

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के हसुआहां नहर में नहाने के दौरान डूबने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान हसुआहां मानिकपुर पंचायत के वार्ड संख्या 1 निवासी विदेशी राउत के पुत्र रंजीव कुमार के रूप में की गई है। बताया जाता है कि वह नहर के समीप नहाने गया था। इसी दौरान गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। इसकी सूचना समाजसेवी संजीत कुमार ने पुलिस को दी। सूचना मिलने पर हरसिद्धि पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया।

भागलपुर स्टेशन का होगा कायाकल्प,भीड़ से मिलेगी मुक्ति

बीएनएम @ भागलपुर। भागलपुर रेलवे स्टेशन के कायाकल्प और यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में गुरुवार को एक बड़ा कदम उठाया गया। रेलवे की राइट्स टीम ने दानापुर रेल मंडल के डीआरएम के साथ स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य स्टेशन परिसर में प्रस्तावित विकास कार्यों का जायजा लेना और भविष्य की योजनाओं को धरातल पर उतारना था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यात्रियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए एक व्यवस्थित होल्डिंग एरिया के निर्माण पर विशेष चर्चा की।योजना के अनुसार, स्टेशन के बाहर बनने वाले इस होल्डिंग एरिया को सीधे जीआरपी थाने के सामने स्थित फुट ओवर ब्रिज (FOB) के रैंप से जोड़ा जाएगा। इस रणनीतिक बदलाव से यात्री बिना किसी बाधा के सीधे प्लेटफॉर्म तक पहुंच सकेंगे, जिससे स्टेशन परिसर में भीड़ का दबाव कम होगा और यातायात व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित हो जाएगी। राइट्स की टीम ने तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए।स्टेशन के बुनियादी ढांचे के साथ-साथ परिचालन विस्तार पर भी अच्छी खबर सामने आई है। रेल अधिकारियों ने बताया कि भागलपुर से बांका और हंसडीहा के बीच विक्रमशिला एक्सप्रेस के लिए कनेक्टिंग लोकल ट्रेन चलाने की योजना पर गंभीरता से काम चल रहा है। यदि यह योजना फलीभूत होती है, तो अंग क्षेत्र के इन जिलों के यात्रियों को दिल्ली जैसे महानगरों के लिए सीधी और बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विकास के इन कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा ताकि यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकें।

नदी में गिरी स्कॉर्पियो

बीएनएम @ योगापट्टी : योगापट्टी नवलपुर कवलापुर मुख्य सड़क मे गुरुवार को सुबह टूटहवा पुल के डायभर्सन से अनियंत्रित होकर स्कोरपियों नदी के किनारे गिर गया |जिसको वहाँ मौजूद ग्रामीणों ने अपनी सूझबूझ से गाड़ी को बिना क्षति ग्रस्त हुए स्कोरपियों मे बैठे सभी व्यक्तियों को सुरक्षित निकाला | वहाँ मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि इस पुल के डायभर्सन के पास से इस प्रकार की कितनी घटनाये हो चुकी हैं |ग्रामीणों ने यह भी बताया कि स्कोरपियों गाड़ी रामनगर का था वह कवलापुर जा रहा था |

अरेराज बीडीओ का 'शिक्षक अवतार', प्रतियोगी छात्रों को दे रहे ऑनलाइन कोचिंग

सही मार्गदर्शन मिले तो सफलता सुनिश्चितः बीडीओ

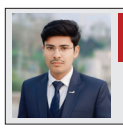

राकेश कुमार
सब- एडिटर-
बॉर्डर न्यूज मिरर

" बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित प्रशासनिक कार्यों के साथ छात्रों को पढ़ाकर अलग पहचान बना रहे हैं। वे यूट्यूब के जरिए प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए रीजनिंग और अंकगणित की ऑनलाइन कक्षाएं ले रहे हैं। कठिन सवालों को सरल तरीके से समझाने की उनकी पहल से खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को तैयारी में मदद मिल रही है।"

मोतिहारी। प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच जब कोई अधिकारी शिक्षक की भूमिका में नजर आए तो यह स्वाभाविक रूप से चर्चा का विषय बन जाता है। पूर्वी चंपारण जिले के अरेराज प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित इन दिनों अपने 'शिक्षक अवतार' को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है, जिसके तहत वे रीजनिंग और अंकगणित जैसे कठिन माने जाने वाले विषयों की ऑनलाइन कोचिंग दे रहे हैं।

बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित यूट्यूब के माध्यम से छात्रों को पढ़ा रहे हैं। अपने चैनल पर वे प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले जटिल सवालों को बेहद सरल और कम समय में हल करने की विधि समझाते हैं। उनकी कोशिश केवल प्रश्नों के उत्तर बताने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वे हर सवाल के पीछे छिपे तर्क और सोच की प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाते हैं। इससे छात्रों को विषय की अवधारणा स्पष्ट होती है और वे कम समय में सही तरीके से

प्रश्न हल करना सीखते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं में रीजनिंग और गणित ऐसे विषय हैं, जिनसे अक्सर अभ्यर्थी घबराते हैं। इन विषयों में सफलता के लिए तेज गति, सटीकता और सही तकनीक की जरूरत होती है। ऐसे में एक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा खुद आगे बढ़कर छात्रों का मार्गदर्शन करना युवाओं के लिए प्रेरणादायक बन गया है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के लिए यह पहल काफी उपयोगी साबित हो रही है, जहां गुणवत्तापूर्ण कोचिंग की सुविधाएं सीमित होती हैं।

स्थानीय स्तर पर बीडीओ की इस पहल की काफी सराहना हो रही है। कई छात्र उनके यूट्यूब चैनल के माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं और इसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मददगार बता रहे हैं। छात्रों का कहना है कि बीडीओ द्वारा बताई जा रही ट्रिक्स और शॉर्टकट से कठिन सवाल भी आसानी से हल हो जा रहे हैं।

इस संबंध में बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मार्गदर्शन और संसाधनों की है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचने और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। उनका मानना है कि यदि छात्रों को सही दिशा मिले तो वे निश्चित रूप से बड़ी सफलताएं हासिल कर सकते हैं।

तेज प्रताप ने जीवंत की लालू प्रसाद के दौर की पारंपरिक 'कुर्ताफाड़' होली

» तेजस्वी ने बेटी संग साझा कीं स्नेहपूर्ण तस्वीरें

बीएनएम @ पटना

बिहार की सियासत में इस वर्ष होली के रंग दो अलग-अलग और दिलचस्प रूपों में निखरकर सामने आए। एक ओर जहाँ लालू प्रसाद यादव के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव ने अपने पिता के पुराने देसी अंदाज़ को दोहराते हुए समर्थकों के साथ "कुर्ताफाड़ होली" का आनंद लिया, वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव ने अपनी पुत्री कात्यायनी के साथ सादगीपूर्ण पारिवारिक वातावरण में त्योहार मनाया।पटना स्थित आवास पर तेज प्रताप यादव पूरी तरह अपने पुराने रंग में दिखे। ढोल-नगाड़ों की थाप और अबीर-गुलाल की बौछारों के बीच कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर था। इसी मस्ती के बीच समर्थकों ने पारंपरिक अंदाज़ में उनके कुर्ते फाड़ दिए, जिसने बरबस ही पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दौर की यादें ताज़ा कर दीं। इस उत्सव को और भी आध्यात्मिक बनाने के लिए वृंदावन से आई मंडली ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। तेज प्रताप ने इस अवसर पर समाज को जोड़ने और आपसी सद्भाव बनाए रखने का संदेश भी दिया।इसके विपरीत,

विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव का अंदाज़ काफी सौम्य और निजी रहा। उन्होंने तामझाम से दूर अपनी नन्हीं बेटी कात्यायनी के साथ रंगों का आनंद लिया। सोशल मीडिया पर साझा की गई उनकी इन तस्वीरों ने लोगों का दिल जीत लिया, जिसमें पिता-पुत्री का स्नेह साफ़ झलक रहा था। इस प्रकार, बिहार के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार में एक तरफ जहाँ पुरानी परंपराओं और जन-उत्साह का संगम दिखा, वहीं दूसरी तरफ आधुनिक पारिवारिक सादगी ने भी अपनी छाप छोड़ी।

सेमरा बाजार में जेनरल स्टोर पर छापेमारी, नशीले पदार्थ व शराब बरामद; कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के सेमरा बाजार स्थित एक जेनरल स्टोर में छापेमारी कर पुलिस ने भारी मात्रा में सूखा नशीला पदार्थ और अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। मामले की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी-1 दिलीप कुमार तुरकौलिया थाना पहुंचे और गिरफ्तार कारोबारी से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में सूखा नशा के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत तुरकौलिया पुलिस ने बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद कर अहम सफलता हासिल की है। उन्होंने छापेमारी दल में शामिल पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने की भी बात कही। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि सेमरा बाजार में छापेमारी के दौरान एक जेनरल स्टोर से कोरेस कंपनी के 24 पैकेट में रखे 1440 पीस व्हाइटनर, दो पैकेट में रखे गोगो के 64 पीस तथा 46 पीस 8 पीएम अंग्रेजी शराब बरामद की गई। मौके से दुकान संचालक शिवशंकर को गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में एसआई वीणा देवी के बयान पर कारोबारी के विरुद्ध तुरकौलिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि वाहन जांच के दौरान सूचना मिली थी कि सेमरा बाजार की एक जेनरल दुकान में सूखा नशा और शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर छापेमारी कर नशीले पदार्थ व शराब बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इसी कार्रवाई के क्रम में जयसिंहपुर मगनुआ गांव से 30 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक महिला तस्कर उमरावती देवी को भी गिरफ्तार किया गया। एसआई संतोषी कुमारी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर महिला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

किसानों को चुकानी पड़ी नीतियों की कीमतः सुधाकर सिंह

बीएनएम @ पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के निर्णय पर बिहार की सियासत में प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। इसी क्रम में राजद सांसद सुधाकर सिंह ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के कई नीतिगत फैसलों का खामियाजा बिहार के किसानों और युवाओं को भुगतना पड़ा है, जिसका हिसाब एक दिन इतिहास जरूर करेगा। सुधाकर सिंह ने विशेष रूप से वर्ष 2006 में कृषि मंडियों को समाप्त करने के फैसले की आलोचना करते हुए इसे किसानों के लिए एक बड़ा झटका बताया, जिससे वे आज भी संगठित बाजार से बाहर हैं। हालांकि, वैचारिक और राजनीतिक मतभेदों के बीच सुधाकर सिंह ने अपने पुराने संबंधों का भावुक जिक्र भी किया। उन्होंने बताया कि जब वे दिल्ली में रहते थे, तब नीतीश कुमार उनके लिए 'स्थानीय अभिभावक' की तरह थे, इसलिए उनके इस नए राजनीतिक मोड़ पर मन में मिश्रित भावनाएं हैं। अंत में उन्होंने कहा कि नीतियों का मूल्यांकन समय के साथ होता रहता है, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर उन्होंने नीतीश कुमार को उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं दीं।

दो समुदायों के बीच मारपीट के बाद छावनी में तब्दील हुआ डबरिया

बीएनएम @ बेतिया

पश्चिम चम्पारण के नौतन थाना क्षेत्र अंतर्गत डबरिया गांव में बुधवार को बच्चों के क्रिकेट खेलने के मामूली विवाद ने दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प का रूप ले लिया। घटना की शुरुआत सुबह करीब 11 बजे हुई, जब खेल के दौरान गेंद मक्के के खेत में जाने से फसल को हुए नुकसान पर महिलाओं के बीच कहासुनी हुई। देखते ही देखते शाम 5 बजे तक यह विवाद पुरुषों के बीच खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया, जिसमें दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ एसडीएम बेतिया और एसडीपीओ सदर-2 ने मोर्चा संभाला और बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित किया।प्रशासनिक मुस्तैदी दिखाते हुए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने स्वयं क्षेत्र का दौरा कर शांति व्यवस्था का जायजा लिया। साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए नौतन बीडीओ और थानाध्यक्ष की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में अब तक पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है और प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। वर्तमान में डबरिया गांव में एहतियातन मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी रहे।

पकड़ीदयाल पुलिस ने हत्या मामले समेत तीन आरोपी को किया गिरफ्तार

बीएनएम @ पकड़ीदयाल

थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष अशोक साह ने बताया कि अंजली देवी हत्याकांड में सिसहनी गांव निवासी विजय साह को गिरफ्तार किया गया है, जो अर्जुन के पिता बताए जाते हैं। इसके अलावा शराब सेवन के आरोप में सुमन कुमार (पिता–दिलीप शाह) और बबलू कुमार (पिता–सतेंद्र सिंह) को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है।

पकड़ीदयाल क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से मनाई गई होली, प्रशासन की सराहना

बीएनएम @ पकड़ीदयाल

अनुमंडल क्षेत्र में होली का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। डीएसपी कुमार चंदन के नेतृत्व में प्रशासन की टीम ने होली के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की। डीएसपी कुमार चंदन ने बताया कि उनकी टीम ने होली के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई जगहों पर फ्लाइंग स्क्वाड का गठन किया था। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने लोगों से अपील की थी कि वे होली का पर्व शांति पूर्ण तरीके से मनाएं और किसी भी तरह की अनैतिक गतिविधियों में शामिल न हो। होली के दिन डीएसपी कुमार चंदन ने खुद सड़कों पर उतरकर लोगों के साथ होली खेली और उन्हें भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि होली का पर्व हमें एक दूसरे के साथ मिलकर चलने और भाईचारे का संदेश देता है।

आग का कहर,लैलख गांव में मची अफरा-तफरी

बीएनएम @ भागलपुर

ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

भागलपुर जिले के सबौर थाना क्षेत्र अंतर्गत लैलख गांव में बीती देर रात भीषण अगलगी की घटना ने पूरे क्षेत्र में कोहराम मचा दिया। अचानक लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे गांव में अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौल बन गया। तेज लपटों की चपेट में आने से करीब पांच से छह घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। इस आपदा में प्रभावित परिवारों का सब कुछ उजड़ गया है; घरों में रखा अनाज, कपड़े, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज़ अग्निदेव की भेंट चढ़ गए।मानवीय क्षति के साथ-साथ इस घटना में पशुधन को भी भारी नुकसान पहुँचा है। सूचना के अनुसार, सात से आठ गायें गंभीर रूप से झुलस गई हैं और कई बकरियों के भी हताहत होने की खबर है। ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए तुरंत प्रशासन और दमकल विभाग को सूचित किया और स्वयं भी राहत कार्य में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, जिससे यह आसपास के अन्य घरों और खड़ी फसलों को पूरी तरह खाक करने से बच गई, हालांकि आंशिक नुकसान खेतों तक भी पहुँचा है।वर्तमान में, बेघर हुए परिवारों के सामने सिर छिपाने और भोजन का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। लैलख पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से अविलंब घटनास्थल का मुआयना करने और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा व राहत सामग्री उपलब्ध कराने की पुरजोर मांग की है। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

संपादकीय

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ। उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा। उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

वैश्विक दूध उत्पादन में भारत क़ी लगभग 25 प्रतिशत हिस्सेदारी -उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि के बावजूद गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगे?

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में जहां एक ओर डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन ट्रेसबिलिटी और स्मार्ट सप्लाई चेन जैसी तकनीकें विकसित हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर खाद्य पदार्थों में मिलावट का संकट भी समानांतर रूप से बढ़ता दिखाई दे रहा है।यह विरोधाभास विशेष रूप से भारत जैसे विशाल उपभोक्ता बाजार में अधिक स्पष्ट है।त्योहारों का मौसममें विशेषकर होली के त्योहार से शुरू हो जाता है,मिठाइयाँ,घी खोआ और दूध की मांग को कई गुना बढ़ा देता है। ऐसे समय में खाद्य सुरक्षा नियामक संस्था भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा राज्यों को मिलावट रोकने हेतु सख्त निगरानी के निर्देश जारी करना इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है। हाल ही में कुछ दिनों पूर्व जारी की गई एफएसएसएआई की मिल्क सर्विलांस रिपोर्ट में चौंकाने वाले निष्कर्ष आए है जिससे शासन प्रशासन को एक्शन लेना जरूरी हो गया है। हालिया मिल्क सर्विलांस रिपोर्ट 2025-26 में यह सामने आया कि लगभग 33 से 38 प्रतिशत दूध के नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे।इनमें पानी,डिटर्जेंट,यूरिया, न्यूट्रलाइज़र और अन्य रासायनिक तत्वों की मिलावट पाई गई। कुछ पैकेटबंद दूध के नमूनों में कोलिफॉर्म बैक्टीरिया और टोटल प्लेट काउंट स्वीकार्य सीमा से कई गुना अधिक दर्ज किया गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह केवल गुणवत्ता का प्रश्न नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष खतरा है। दूध, जो बच्चों, बुजुर्गों और रोगियों के लिए पोषण का प्रमुख स्रोत है, यदि संदूषित हो जाए तो इसका प्रभाव दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में सामने आ सकता है। रिपोर्ट में क्षेत्रीय असमानता भी दर्ज की गई है।उत्तर भारत सबसे अधिक प्रभावित इसको समझने की करें तो रिपोर्ट के अनुसार उत्तर भारत में 47 प्रतिशत नमूने मानकों में विफल पाए गए, जो इसे सबसे असुरक्षित क्षेत्र बनाता है। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन की एक ताजा स्टडी में 330 नमूनों की जांच की गई, जिसमें से 70.6 प्रतिशत में गंभीर मिलावट पाईगई। मिलावट के मुख्य कारक इस प्रकार हैं:पानी:193 नमूनों में मात्रा बढ़ाने के लिए पानी मिलाया गया।डिटर्जेंट (23.9 प्रतिशत):झाग बनाने और दूध को गाढ़ा दिखाने के लिए।यूरिया (9.1प्रतिशत):फैट और प्रोटीन की मात्रा को कृत्रिम रूप से बढ़ाने के लिए।विशेषज्ञों का कहना है कि कोलीफॉर्म और डिटर्जेंट युक्त दूध पीने से पेट में संक्रमण, किडनी की बीमारी और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे दूध खरीदने से पहले ब्रांड की लेटेस्ट लैब रिपोर्ट और एफएसएसएआई मार्क की जांच जरूर करें।पश्चिम भारत में यह आंकड़ा 23 प्रतिशत,दक्षिण भारत में 18 प्रतिशत और पूर्वी भारत में 13 प्रतिशत रहा।उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े दुग्ध उत्पादक राज्यों में मिलावट की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है,जबकि तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिणी राज्यों में भी उल्लेखनीय मामलों की पुष्टि हुई।यह क्षेत्रीय असमानता संकेत देती है कि निगरानी, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और प्रवर्तन क्षमता में बहुत मात्रा मंड अंतर है।

साथियों बात अगर हम भारतः विश्व का सबसे बहुत बड़ा दूध उत्पादक फिर भी संकटग्रस्त इसको समझने की करें तो सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025 में भारत का कुल दूध उत्पादन 24.8 करोड़ टन तक पहुंच गया है। पिछले 11 वर्षों में उत्पादन में 69.4 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। प्रति व्यक्ति उपलब्धता 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है, जो वैश्विक औसत (लगभग 328 ग्राम) से कहीं अधिक है। भारत वैश्विक दूध उत्पादन में लगभग 25 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। परंतु विडंबना यह है कि उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि के बावजूद गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मात्रा की दौड़ में गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र पीछे छूट गया है।हाल ही में ट्रस्टिफाइड नामक स्वतंत्र लैब टेस्टिंग प्लेटफॉर्म की रिपोर्ट में दावा किया गया कि कुछ प्रतिष्ठित पैकेज्ड दूध ब्रांड्स में कोलिफॉर्म बैक्टीरिया निर्धारित सीमा से 98 गुना तक अधिक पाया गया। इस खुलासे ने उपभोक्ताओं के विश्वास को झटका दिया है। डिजिटल युग में जहां उपभोक्ता जागरूकता सोशल मीडिया के माध्यम से तीव्रता से फैलती है,ऐसे खुलासे कंपनियों की ब्रांड वैल्यू और बाजार हिस्सेदारी को गहरा व भारी मात्रा में नुकसान पहुंचा सकते हैं। साथियों बात अगर हम दूध में मिलावटः केवल धोखाधड़ी नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य पर हमला इसको समझने की करें तो,दूध में पानी, डिटर्जेंट, यूरिया, स्टार्च या सिंथेटिक रसायन मिलाना न केवल आर्थिक धोखाधड़ी है बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम है। यूरिया और डिटर्जेंट जैसे तत्व गुर्दे, लीवर और पाचन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।कोलिफॉर्म बैक्टीरिया की उपस्थिति जलजनित रोगों और फूड पॉइजनिंग का संकेत देती है। बच्चों में यह संक्रमण, डायरिया और दीर्घकालिक कुपोषण का कारण बन सकता है।कानूनी ढांचाः कड़े प्रावधान, कमजोर क्रियान्वयन भारत में दूध मिलावट एक गंभीर दंडनीय अपराध है। फ़ूड सेफ्टी एंड स्टैण्डर्ड्स एक्ट की धारा 59 के तहत असुरक्षित भोजन के लिए छह वर्ष तक की सजा और पांच लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है; मृत्यु होने पर आजीवन कारावास और न्यूनतम दस लाख रुपये जुर्माना लगाया जा सकता है। धारा 51 सब-स्टैंडर्ड खाद्य के लिए पांच लाख तक जुर्माना, धारा 52 गलत ब्रांडिंग के लिए तीन लाख तक जुर्माना और धारा 53 भ्रामक विज्ञापन के लिए दस लाख तक जुर्माना निर्धारित करती है।इसके अतिरिक्त इंडियन पेनल कोड की धारा 272 (खाद्य पदार्थ में मिलावट) और 273 (हानिकारक खाद्य की बिक्री) के तहत छह माह तक की सजा का प्रावधान है, जबकि धारा 420 के अंतर्गत धोखाधड़ी के लिए सात वर्ष तक की सजा हो सकती है।एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट के अंतर्गत भी आवश्यक वस्तु घोषित क्षेत्रों में अतिरिक्त कार्रवाई संभव है।कई राज्यों ने इसे गैर- जमानती अपराध बनाकर कठोर संशोधन किए हैं।क्रियान्वयन कीसबसे बढ़ी चुनौतीः प्रशासनिक ढिलाई या संरचनात्मक कमी?यद्यपि कानून सख्त हैं,परंतु विशेषज्ञों का मत है कि उनका क्रियान्वयन अपेक्षित कठोरता से नहीं हो पा रहा। निरीक्षण की संख्या, लैब परीक्षण क्षमता और अभियोजन की गति में सुधार की आवश्यकता है। कई मामलों में दोष सिद्धि दर कम रहती है, जिससे मिलावटखोरों में दंड का भय कम हो जाता है। लाइसेंस रद्द करना, प्रतिष्ठान सील करना और पुनरावृत्ति पर कठोर दंड जैसे प्रावधानों का प्रभावी उपयोग जरूरी है। साथियों बात कर हम क्या कुछ आलोचकों द्वारा आरोप क्रि दूध आयात की जमीन तैयार हो रही है? इसको समझने की करें तो कुछ विशेषज्ञों और राजनीतिक विश्लेषकों ने यह प्रश्न उठाया है कि बढ़ती मिलावट और गुणवत्ता संकट की चर्चा कहीं भविष्य में दूध आयात के लिए माहौल तैयार करने का प्रयास तो नहीं। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है,परंतु बढ़ती खपत और गुणवत्ता संबंधी चिंताओं ने इस बहस को जन्म दिया है। भारत जैसे देश में, जहां दुग्ध अर्थव्यवस्था करोड़ों किसानों की आजीविका से जुड़ी है, आयात नीति का प्रभाव व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिणाम ला सकता है। साथियों बात अगरहम डिजिटल समाधानः एआई, ब्लॉकचेन और ट्रेसबिलिटी इसको समझने की करें तो डिजिटल और एआई तकनीकें इस संकट कासमाधान भी प्रस्तुत कर सकती हैं। ब्लॉकचेन आधारित ट्रेसबिलिटी से दूध की पूरी आपूर्ति श्रृंखला को ट्रैक किया जा सकता है,गांव के डेयरी फार्म से लेकर शहर के रिटेल स्टोर तक। एआई आधारित सेंसर और रीयल-टाइम टेस्टिंग किट्स मिलावट का तुरंत पता लगा सकती हैं। मोबाइल ऐप्स के माध्यम से उपभोक्ता शिकायतें दर्ज कर सकते हैं और लैब रिपोर्ट्स सार्वजनिक डोमेन में अति शीघ्रता से पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराई जा सकती हैं। साथियों बात अगर हम त्योहारी सटीक सतर्कताःको समझने की करें तो एफएसएसएआई का मिलावट विरोधी अभियान- 2026,त्योहारों से पूर्व एफएसएसएआई ने राज्यों को मिलावट विरोधी अभियान- 2026 के तहत निरीक्षण और सैंपलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। विशेष रूप से मिठाइयां, नमकीन, खाद्य तेल, घी, खोआ और पनीर जैसे उत्पादों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता।

- स्वामी भजनानंद

सबसे उत्तम विजय प्रेम की है जो सदैव के लिए विजेताओं का हृदय बाँध लेती है।

-सम्राट अशोक

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि, तीज, शुक्रवार, हस्त नक्षत्रे, गर योगे, विव करणे, कन्या की चंद्रमा, भद्रा 26/12 गणेश चौथ व्रत, चंद्रोदय रात्रि 8/46 रिक्ता दोष तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल किन्तु जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी व्यवसायी, किराना, कपड़ा व्यापारी, उद्योगपति, प्रबंधक होगा।

मेष राशि :- मान-प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, कार्य व्यवसाय गति उत्तम होगी, हर्ष होगा।

वृष राशि :- धन हानि के योग बनेंगे, नवीन मैत्री-मंत्रणा अवश्य ही प्राप्त होगी।

मिथुन राशि :- इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, कार्य अवश्य होंगे।

कर्क राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

सिंह राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगे, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- भावनायें संवेदनशील रहें तथा रुके कार्य बनेंगे, सोचे कार्यों पर ध्यान दें।

तुला राशि :- समय अनुकूल नहीं स्वास्थ्य का ध्यान रखें, विरोधी तत्व परेशान करेंगे।

वृश्चिक राशि :- स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, मन में उद्विग्नता अवश्य ही बनेगी।

धनु राशि :- आशानुकूल सफलता, स्थिति में सुधार तथा व्यवसाय गति उत्तम होगी।

मकर राशि :- धन का व्यर्थ व्यय होगा, मानसिक उद्विग्नता हानिप्रद होगी ध्यान रखें।

कुंभ राशि :- इष्ट मित्रों से सहयोग, कार्य बनेंगे, कार्यगति अनुकूल अवश्य होगी।

मीन राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, कार्य अवश्य बनेंगे ध्यान दें।

झूठ पर गढ़े गए युद्ध के निराधार और भ्रामक दावे

डॉ हिदायत अहमद खान

बातचीत के दौरान एक झूठ का सहारा लेकर इजराइल और अमेरिका ने जिस तरह से ईरान पर हमला किया, उसी वक्त तनाव के बीच का संघर्ष मानों बेलगाम युद्ध में तब्दील हो गया। अब पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, इसके समानांतर एक और खतरनाक युद्ध लड़ा जा रहा है, वह है सूचना और दुष्प्रचार की जंग। जब युद्ध के मैदान में धुआँ उठता है, तब अक्सर सच्चाई धुंध में छिप जाती है और अफवाहें, आधे-अधूरे तथ्य तथा झूठी खबरें जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलने लगती हैं। भीड़ या समूह को भड़काने में इसका बेजा इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हाल ही में एक अमेरिकी समाचार चैनल द्वारा यह दावा किया गया कि ईरान पर हमले के लिए अमेरिकी नौसेना भारतीय बंदरगाहों का उपयोग कर रही है। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस खबर का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। यह घटना बताती है कि युद्ध के समय भ्रामक सूचनाएँ किस प्रकार देशों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती हैं। दरअसल, अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष पहले ही बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच चुका है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और युद्धविराम की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे माहौल में अगर किसी तीसरे देश को बिना किसी प्रमाण के युद्ध से जोड़ दिया जाए, तो उसके गंभीर कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लंबे समय से पश्चिम एशिया में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता रहा है। भारत के ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही देशों से महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऐसे में इस प्रकार के निराधार दावे भारत की तटस्थ और संतुलित नीति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि ईरान पर हमले से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को लेकर तरह-तरह के भ्रामक दावे किए गए, बाद में इस पर भी स्पष्टीकरण आया और सभी दावे अफवाहें साबित हो गए। बहरहाल युद्ध के दौरान दुष्प्रचार का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि युद्ध के समय प्रचार और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ सैन्य हथियारों जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। आज डिजिटल युग में यह प्रवृत्ति और अधिक खतरनाक हो गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और 24 घंटे चलने वाले कुछ समाचार चैनलों के कारण गलत जानकारी पलक झपकते ही दुनिया भर में फैल जाती है। कई बार तो ये खबरें बिना तथ्य के जांचे-परखे प्रसारित कर दी जाती हैं, जिससे भ्रम और अविश्वास का माहौल बन जाता है। वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है। अमेरिकी नेतृत्व ने दावा किया है कि उसके सैन्य अभियान ने ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है और ईरान द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों में भारी कमी आई है। वहीं दूसरी ओर ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है और क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सच्चाई का सही आकलन करना कठिन हो गया है, क्योंकि हर पक्ष अपनी-अपनी रणनीतिक कथा प्रस्तुत कर रहा है। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल और गैस के व्यापार तथा समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। चीन और रूस जैसे देश भी इस स्थिति को लेकर सतर्क दिखाई दे रहे हैं। चीन द्वारा रक्षा बजट में वृद्धि का निर्णय इसी व्यापक रणनीतिक अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इसका अर्थ तो यही हुआ कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अमेरिका के भीतर भी इस युद्ध को लेकर बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ आलोचकों का मानना है कि बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य कार्रवाई करना संवैधानिक सीमाओं को चुनौती देने जैसा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ ने इसे सही कदम बताया है। यह विवाद दर्शाता है कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में युद्ध केवल सैन्य या कूटनीतिक मुद्दा नहीं होता, बल्कि राजनीतिक और कानूनी विमर्श का भी विषय बन जाता है। इन सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सूचना की विश्वसनीयता कैसे सुनिश्चित की जाए। जब समाचार और दुष्प्रचार के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब जनता के लिए सही और गलत में फर्क करना कठिन हो जाता है। इसलिए सरकारों, मीडिया संस्थानों और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों की पुष्टि के बिना किसी भी सूचना को स्वीकार न करें।

राजनीति में विरासत केवल नाम से नहीं चलती

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यहां केवल पद और प्रतिष्ठा ही सब कुछ नहीं होते, बल्कि समय, रणनीति और जनविश्वास की भूमिका कहीं अधिक महत्वपूर्ण होती है। राज्यसभा चुनावों के हालिया निर्णयों ने एक ऐसी राजनीतिक कथा को जन्म दिया है, जिसमें उम्मीद, धैर्य, रणनीतिक जोखिम और विरासत—सभी एक साथ दिखाई देते हैं। इस पूरे परिदृश्य के केंद्र में वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई रहे हैं। यह प्रसंग केवल एक संसदीय सीट का नहीं, बल्कि राजनीतिक स्वीकृति, संगठनात्मक प्राथमिकताओं और जनभावनाओं के बदलते संकेतों का भी है।

राजनीति में लिए गए निर्णय अक्सर तत्काल परिणाम नहीं देते। कई बार वे भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। जब कुलदीप बिश्नोई ने अपने पूर्व दल में रहते हुए क्रॉस मतदान किया और बाद में भारतीय जनता पार्टी का साथ चुना, तब इसे एक दूरगामी राजनीतिक रणनीति के रूप में देखा गया। उस समय यह धारणा बनी कि यह कदम उनके राजनीतिक जीवन को नई दिशा देगा और संगठन उनके अनुभव तथा जनाधार को सम्मानपूर्वक स्थान देगा। समर्थकों ने इसे एक साहसिक निर्णय बताया और विश्वास किया कि आने वाले समय में इसका सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलेगा।

पिछले राज्यसभा चुनाव में जब किरण चौधरी का चयन हुआ, तब बिश्नोई समर्थकों में निराशा अवश्य थी, पर उम्मीद बनी रही। यह माना गया कि संगठनात्मक संतुलन और व्यापक राजनीतिक समीकरणों के कारण यह निर्णय लिया गया है। समर्थकों ने धैर्य बनाए रखा और यह विश्वास कायम रखा कि अगला अवसर उनके नेता को अवश्य मिलेगा। राजनीति में प्रतीक्षा भी एक परीक्षा होती है—नेता की भी और उसके समर्थकों की भी।

किन्तु हालिया राज्यसभा चुनाव में जब उम्मीदवार के रूप में संजय भाटिया का नाम सामने आया, तो यह संकेत स्पष्ट था कि पार्टी की प्राथमिकताओं में अन्य समीकरण अधिक प्रभावी हैं। यह निर्णय केवल एक नाम की घोषणा नहीं था, बल्कि यह संदेश भी था कि संगठन अपने व्यापक संतुलन और रणनीतिक दृष्टिकोण को प्राथमिकता दे रहा है। इसने समर्थकों के भीतर यह प्रश्न अवश्य खड़ा किया कि क्या उनकी प्रतीक्षा अभी और लंबी होगी।

इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए आदमपुर का उल्लेख अनिवार्य है। आदमपुर केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि बिश्नोई परिवार की राजनीतिक पहचान का केंद्र रहा है। दशकों तक यहां व्यक्तिगत संबंधों और पारिवारिक विश्वास ने निर्णायक भूमिका निभाई। मतदाताओं ने कई अवसरों पर राजनीतिक मतभेदों के बावजूद व्यक्तिगत भरोसे को महत्व दिया। यह क्षेत्र उनकी राजनीतिक शक्ति का प्रतीक माना जाता रहा है।

परंतु दल परिवर्तन के बाद परिस्थितियां बदलती हुई दिखाई दीं। मतदाता अब केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि राजनीतिक स्थिरता और नीति को भी महत्व देते हैं। भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने के निर्णय ने आदमपुर में एक नई बहस को जन्म दिया। व्यक्तिगत समीकरण मजबूत थे, लेकिन दल परिवर्तन को लेकर मन में संदेह भी रहा। चुनाव परिणाम ने यह संकेत दिया कि जनभावनाओं को समझे बिना केवल रणनीतिक समीकरण पर्याप्त नहीं होते।

राजनीति में जनाधार सबसे बड़ी पूंजी होता है। यदि कार्यकर्ता निराश हों, यदि संवाद में कमी आ जाए, तो संगठनात्मक संरचना धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक नेतृत्व की परिपक्वता इसी में होती है कि वह परिस्थितियों के संकेतों को समझे और समय रहते आवश्यक सुधार करे। केवल उच्चस्तरीय निर्णयों से नहीं, बल्कि जमीनी सक्रियता से विश्वास पुनः अर्जित किया जा सकता है।

इस संदर्भ में उनके पुत्र भव्य बिश्नोई का राजनीतिक भविष्य भी चर्चा का विषय बनता है। युवा नेतृत्व के सामने विरासत एक अवसर भी है और चुनौती भी। यदि संगठन मजबूत और सक्रिय हो, तो अगली पीढ़ी के लिए मार्ग सहज हो जाता है। लेकिन यदि आधार कमजोर हो, तो संघर्ष बढ़ जाता है। इसलिए यह समय केवल व्यक्तिगत अपेक्षाओं का नहीं, बल्कि व्यापक संगठनात्मक पुनर्निर्माण का है।

हरियाणा की राजनीति सदैव व्यावहारिक रही है। यहां सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और संगठनात्मक शक्ति को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। राष्ट्रीय दल अपने निर्णय व्यापक दृष्टिकोण से लेते हैं, जिसमें कई स्तरों पर संतुलन साधना पड़ता है। ऐसे में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं कभी-कभी संगठनात्मक प्राथमिकताओं के पीछे रह जाती हैं। यह राजनीति का स्वाभाविक पक्ष है।

अब प्रश्न यह नहीं कि राज्यसभा का अवसर क्यों नहीं मिला। प्रश्न यह है कि आगे की दिशा क्या होगी। क्या पुनः जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित किया जाएगा? क्या कार्यकर्ताओं का मनोबल सुदृढ़ किया जाएगा? क्या आदमपुर और अन्य क्षेत्रों में विश्वास की पुनर्स्थापना के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे? इन प्रश्नों के उत्तर ही भविष्य की दिशा तय करेंगे।

राजनीति में अवसर समाप्त नहीं होते। समय बदलता है, परिस्थितियां बदलती हैं और समीकरण भी परिवर्तित होते हैं। परंतु अवसर उन्हीं को मिलते हैं, जो निरंतर सक्रिय रहते हैं। यदि जनसंवाद जीवित रहे, संगठन सशक्त हो और नेतृत्व स्पष्ट हो, तो सम्मान अपने आप मार्ग खोज लेता है।

अंततः यह प्रसंग हमें एक मूल सत्य की याद दिलाता है—राजनीति में विरासत केवल नाम से नहीं चलती। निरंतर संवाद, संगठन और विश्वास से सींचना पड़ता है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

मुस्कान के सूत्रधारः सेहतमंद दांत और आपके आत्मविश्वास का राज

दिलीप कुमार पाठक

जैसे ही आर्टिफिशल इंटेलीजेंट यानि कृत्रिम बुद्धिमता का प्रवेश हुआ वैसे ही युद्ध का दायरा इस कदर बढ़ा की अब परमाणु हमले की नौबत आ गईं ईरान को अमेरिका से क्या लेना देना था लेकिन जबरन कूद गया विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।अमेरिका और ईरान के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है अस्त्र-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों य़ा इससे भी अधिक रहता है व जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता है इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की जरूरत है भगवान बुद्ध ने अहिंसा प्रमोधर्म का नारा देकर विश्व को युद्ध मैं झूलसने से बचाने हेतु एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे मदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्र विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है।

इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विराट आरसीबी के सबसे बड़े स्टार बने रहेंगे : बोबाट

एजेंसी, बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबाट ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि वह हमेशा ही टीम के लिए सबसे बड़े स्टार रहेंगे क्योंकि उन्होंने अपने करियर का पूरा समय आरसीबी के साथ ही बिताया है। जिस प्रकार से वह पिछले कई साल से समर्पित होकर टीम की ओर से खेले रहे है, ऐसा काफी कम देखा गया है। इसलिए हमें उनके लिए एक जीत दर्ज करने वाली टीम बनानी है। आरसीबी आईपीएल में अभी मौजूदा चैंपियन है और उसका लक्ष्य इस बार भी खिताब जीतना रहेगा। टीम ने पिछले सत्र में 18 साल के बाद अपना पहला आईपीएल खिताब रजत पाटीदार की कप्तानी में जीता था। जिसके बाद विराट काफी भावुक हो गये थे क्योंकि लंबे समय तक वह कप्तानी करने के बाद भी वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये थे। बाट ने कहा, 'विराट

हमेशा इस टीम के आईकन रहेंगे। वह लीग की ओर से किसे शानदार प्रदर्शन के लिए इस सम्मान के अधिकारी हैं। उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है।' उन्होंने कहा, 'मुझे याद है पिछले सत्र मैं उनके आंकड़े देख रहा था जब वह करीब 9000 रन तक पहुंच गए थे और वो भी 18 साल तक केवल एक ही टीम की जर्सी पहनकर। इस प्रकार उन्होंने प्रत्येक सत्र में करीब 500 रन बनाये हैं।' बोबाट ने कहा, 'यह हैरानी की बात है। सात साल तक कुछ खिलाड़ी 500 रन एक सत्र में बनाकर भी फूले नहीं समाते हैं जबकि विराट ने प्रत्येक सत्र में 500 रन बनाये हैं। यह अपने आप में हैरान करने वाली बात है। कोहली ने सला 2008 से आरसीबी के लिए खेलते हुए 8 शतक भी लगाये हैं। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। साल 2016 में उन्होंने एक ही सत्र में 973 रन बनाये थे। बोबाट ने कहा, ' वह एंडी फ्लावर के साथ मिलकर उनके लिए एक एक ऐसे टीम बनाना चाहते हैं जो इस बार भी जीते क्योंकि विराट अपने करियर के उस दौर में हैं, जहां वह लगातार जीत चाहते हैं।'उन्होंने कहा कि टीम इस बार भी विराट के लिए खिताब जीतने के इरादे से आक्रामक क्रिकेट खेलेगी। टीम का लक्ष्य लगातार दूसरी बार खिताब जीतकर ये दिखाना होगा कि पिछली बार उसकी जीत कोई तुक्का नहीं थी।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर, उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है।प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण

ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सहीं नहीं है। उनके अनुसार अगर विकेट से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही, तो गेंदबाज क्रीज और ट्रैजेक्टरी का इस्तेमाल कर कोण बनाकर बदलाव ला सकता सकता है। इसके अलावा ओवर द विकेट और राउंड द विकेट गेंदबाजी कर भी गेंदबाजी और सटीक बनायी जा सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। पिछले साल पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने 9.85 की औसत से 14 विकेट लिए थे, जिसमें एक बार पांच विकेट भी थे। तब उन्होंने जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों को आउट किया था। इस बार भी उम्मीद है कि वह सेमीफाइनल और फाइनल में अपने प्रदर्शन से अंतर पैदा करेंगे।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

» पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही पेस, पादुकोण जैसे दिग्गज भी होंगे शामिल

एजेंसी, मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट

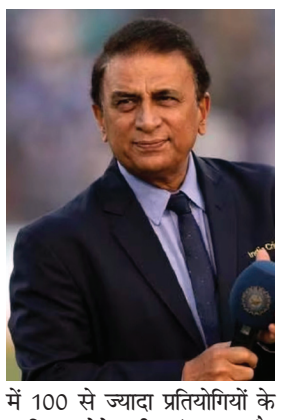

में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जी.आर. विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे। वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड रहेंगे। क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है।वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है। चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यॉर्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए खिलाड़ियों को इन बातों की समझ होनी चाहिए। वहीं पाक बोर्ड भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताया जा रहा है और ऐसे में टीम में कई बदलाव होने तय है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में फंसा

एजेंसी, लाहौर

मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। पाक टीम को 11 मार्च से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए बांग्लादेश दौरे पर जाना था। इसके लिए उसे 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचना था पर अब कहा जा रहा है पाकिस्तान की टीम इस दौरे को आगे बढ़ा सकती है। पिछले कुछ समय से बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के साथ पाक बोर्ड (पीसीबी) के संबंध बेहतर हुए हैं और ऐसे में इस दौरे को आयोजित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। दोनो टीम के बीच मीरपुर मे 11, 13 और 15 मार्च को तीन एकदिवसीय मैच होने थे पर अब ये खेले जाएंगे या नहीं तय नहीं है। इसका कारण ये है कि अमेरिका

और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में तनाव का माहौल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज तभी आयोजित होगी, जब यात्रा जोखित और सुरक्षा की चिंताएं समाप्त होंगी।ये भी कहा जा रहा कि वर्तमान मौजूदा क्षेत्रीय तनाव की वजह से यह दूर होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है। वहीं बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसे पीसीबी की ओर से अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गयी है। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन्स के चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि कहा, अगर बात ऐसी हो जाती है कि वे यात्रा नहीं कर पा रहे तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता है पर अभी तक हमें उनकी ओर से कुछ नहीं कहा गया है।

व्यापार

स्टॉक मार्केट में याप डिजिटल की कमजोर एंट्री ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश

नई दिल्ली। न्यू एज डिजिटल कंटेंट डिजाइन, डिस्कवरी और डिस्ट्रीब्यूशन का काम करने वाली कंपनी याप डिजिटल लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में डिस्काउंट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 145 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 12.4 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 127 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 133.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 11.65 रुपये प्रति शेयर यानी 8.03 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

याप डिजिटल लिमिटेड का 80.11 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 27 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.26

गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 8.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.05 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.61 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 55.25 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.60 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी मुनाफे में आ गई। इस साल कंपनी को 2.51 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़ कर 11.93 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 दिसंबर तक कंपनी को 9.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 78.04 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 113.06 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 154.40 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 दिसंबर तक 2025 तक कंपनी को 91.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी के भाव ने कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 2,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,64,500 रुपये से लेकर 1,64,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,50,790 रुपये से लेकर 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,64,650 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी

मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,64,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,64,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,64,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,64,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,64,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,64,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,64,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,64,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,64,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,50,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में ओम्नीटेक इंजीनियरिंग की निराशाजनक शुरुआत, घाटे में निवेशक

नई दिल्ली। हाई-प्रिसिजन इंजीनियर्ड कंपोनेंट्स और असेंबली की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई करने वाली कंपनी ओम्नीटेक इंजीनियरिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में डिस्काउंट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 227 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 9.70 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 205 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 11 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 202 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का सपोर्ट मिलने पर ये शेयर 224.70 रुपये के स्तर तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने ये वापस 202 रुपये के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 204.93 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 22.07 रुपये प्रति शेयर यानी 9.72 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ओम्नीटेक इंजीनियरिंग का 583 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 27 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन तीन गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.77 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.35 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,56,85,062 शेयर जारी

किए गए हैं। इनमें 1,84,16,340 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि 72,68,722 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 32.29 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 18.91 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 43.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 27.78 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी आमतौर पर बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 183.71 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में मामूली गिरावट के साथ 181.95 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 349.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 236.69 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में लगातार बढ़ोतरी होती रही।

एपल ने लॉन्च किया सबसे सस्ता लैपटॉप मैकबुक नियो:शुरुआती कीमत 69,990; इसमें आईफोन वाली A18 प्रो चिप, 11 मार्च से सेल

कैलिफोर्निया। एपल ने अब तक का सबसे सस्ता लैपटॉप मैकबुक नियो पेश किया है। एपल ने अब तक का सबसे सस्ता लैपटॉप मैकबुक नियो पेश किया है। दिग्गज टेक कंपनी एपल ने अपना अब तक का सबसे किफायती लैपटॉप 'मैकबुक नियो' लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे उन यूजर्स के लिए पेश किया है जो कम बजट में मैकबुक का अनुभव लेना चाहते हैं। इसकी शुरुआती कीमत भारत में 69,990 रुपए रखी गई है।

आईफोन वाली चिप के साथ आएगा लैपटॉप:-

मैकबुक नियो में A18 प्रो चिपसेट दिया गया है। ये 6-कोर CPU और 5-कोर GPU के साथ आता है। इसमें 16-कोर वाला न्यूरल इंजन (NPU) भी है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) टास्क को तेजी से प्रोसेस करता है।

ये चिप आईफोन 16 प्रो में मिलती थी। एपल का दावा है कि स्मार्टफोन चिपसेट होने के बावजूद यह लैपटॉप ब्राउजिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग, फोटो एडिटिंग और डेली ऑफिस वर्क को बड़ी आसानी से हैंडल कर सकता है।

13-इंच की स्क्रीन और चार कलर्स:- डिजाइन के मामले में यह काफी हद तक मैकबुक एयर जैसा दिखता है। इसमें 13-इंच की लिक्विड रेटिना (IPS LCD) डिस्प्ले दी गई है। इसे टिकाऊ एल्युमिनियम एनक्लोजर से बनाया गया है और यह चार कलर्स- ब्लश, इंडिगो, सिल्वर और सिट्रस में उपलब्ध होगा।

बैटरी लाइफ और स्टोरेज ऑप्शन्स:-

एपल के मुताबिक, मैकबुक नियो को एक बार फुल चार्ज करने पर 16 घंटे तक का वीडियो प्लेबैक टाइम मिलता है। इसमें 36.5Wh की बैटरी लगी है। इसे बॉक्स में मिलने वाले 20W के USB-C पावर अडैप्टर से चार्ज किया जा सकता है।

मेमोरी: 8GB की यूनिफाइड मेमोरी दी गई है-

स्टोरेज: 256GB और 512GB स्टोरेज ऑप्शन-

कनेक्टिविटी और एक्सटर्नल डिस्प्ले सपोर्ट- इसमें एक USB 3 टाइप-सी पोर्ट दिया गया है, जो डिस्प्ले पोर्ट की तरह भी काम करता है। इसके अलावा एक दूसरा USB 2 टाइप-सी पोर्ट और 3.5mm का हेडफोन जैक भी मिलता है। यह 60Hz रिफ्रेश रेट पर एक एक्सटर्नल 4K डिस्प्ले को सपोर्ट कर सकता है।

बॉलीवुड को अक्सर गलत तरीके से किया जाता है पेशः सुनील शेट्टी

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की लगातार खराब की जा रही छवि पर हाल ही में अभिनेता सुनील शेटटी ने खुलकर अपनी बात रखी है। एक इवेंट में उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म जगत को अक्सर गलत तरीके से पेश किया जाता है, जबकि इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार और तकनीशियन हैं, जो पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए समर्पित हैं। उनका कहना था कि दर्शकों को यह समझना चाहिए कि पूरी इंडस्ट्री नकारात्मकता से भरी नहीं होती। सुनील के मुताबिक, बॉलीवुड से जुड़े लोग लगातार सुर्खियों में रहते हैं, इसलिए उनके बारे में सकारात्मक से ज्यादा नकारात्मक बातें फैलती हैं। उन्होंने कहा, "जब आप एक्टर, सिंगर, खिलाड़ी या एंटरटेनर होते हैं, तो आप हमेशा जनता की नजरों में रहते हैं। ऐसे में आपके बारे में अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें कही जाती हैं, जो कई बार स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना देती हैं।" उन्होंने आगे कहा कि बॉलीवुड पर अक्सर गलत नैरेटिव थोप दिया जाता है। कई लोग मानते हैं कि अगर ड्रग्स या मी टू जैसे मामले सामने आए हैं तो वे केवल फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित हैं, जबकि हकीकत यह है कि ऐसा समाज के हर हिस्से में होता है। सुनील के अनुसार इंडस्ट्री में बड़ी संख्या में मेहनती, सजग और प्रतिभाशाली लोग काम कर रहे हैं, लेकिन नकारात्मक कंटेंट आज के समय में टीआरपी और व्यूज का आसान जरिया बन चुका है, इसलिए आलोचना ज्यादा दिखाई देती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आज मुद्दा यह नहीं रहा कि खबर सही है या नहीं, बल्कि यह कि कौन इसे सबसे पहले प्रस्तुत करता है। बातचीत के दौरान सुनील ने अपने बेटे अहान शेटटी को दी गई सीख के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा अहान को पहले एक अच्छा इंसान बनने की सलाह देते हैं, क्योंकि इंसानियत ही किसी को लंबी दौड़ का खिलाड़ी बनाती है। अहान हाल ही में फिल्म बार्डर 2 में नजर आए थे, जो सुनील शेट्टी की प्रतिष्ठित फिल्म 'बॉर्डर' का स्पिरिचुअल सीक्वल है। यह फिल्म 23 जनवरी को रिलीज हुई और भारत में 327 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता बन गई।

परिवार और दोस्तों संग रोम की सैर पर निकली राशि खन्ना

अभिनेत्री राशि खन्ना आजकल इटली की खूबसूरत वादियों में छुट्टियां मना रही हैं। साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री राशि इस बार अपने परिवार और दोस्तों संग रोम की सैर पर निकली हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। पहली तस्वीर में एक कपल को गुलाब का फूल देते हुए दिखाया गया है, जबकि बाकी तस्वीरों में राशि रोम की गलियों, ऐतिहासिक जगहों और कैफे में खुशगवार पलों का आनंद लेती नजर आ रही हैं। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, "रोम की सबसे खूबसूरत बात मेरे सामने मेज के उस पार बैठी थी।" अभिनेत्री की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में हार्ट व फायर इमोजी की बाढ़ सी आ गई है। राशी खन्ना की बात करें तो वे साउथ इंडस्ट्री की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। एक्टिंग के साथ-साथ उनकी गायिकी भी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय है। तेलुगु और तमिल फिल्मों में अपनी प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करा चुकी राशि सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं। वह अक्सर अपनी निजी जिंदगी के मजेदार पलों और आने वाले प्रोजेक्ट्स की झलक फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। साउथ सिनेमा में सफल यात्रा के बाद राशि हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने इरफान खान के साथ स्क्रीन साझा की थी। भारत और चीन के बीच हुए एक युद्ध पर आधारित इस फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। '120 बहादुर' का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अमित चंद्रा के ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो के साथ मिलकर किया है। यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसी के साथ राशि खन्ना जल्द ही सुपरस्टार पवन कल्याण के साथ उनकी अगली फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में नजर आएंगी। माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में श्रीलीला, प्रथिबन, केएस रविकुमार, रामकी, नवाब शाह, अविनाश, गौतमी और नागा महेश जैसे कलाकार भी शामिल हैं।

थोड़ा समय दीजिए, सभी का पैसा लौटाऊंगाः राजपाल यादव

पिछले कुछ समय से मशहूर अभिनेता राजपाल यादव चेक बाउंस मामले को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। बेल मिलने के बाद जेल से बाहर आए अभिनेता ने इस विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। राजपाल यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में न सिर्फ आर्थिक विवाद पर अपना पक्ष रखा, बल्कि भावुक होकर उन सभी लोगों का धन्यवाद भी किया जिन्होंने मुश्किल समय में उनका साथ दिया। अभिनेता के वकील ने बताया कि राजपाल यादव ने अपनी फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए कारोबारी माधव गोपाल अग्रवाल से 5 करोड़ रुपये का लोन लिया था। वकील के अनुसार, इस लोन पर इतना अधिक ब्याज लगाया गया कि राशि बढ़कर 10.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। उनका कहना था कि राजपाल ने लोन के बदले अपनी प्रॉपर्टी के कागजात और सिक्योरिटी देने की भी पेशकश की थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें जेल भेजने की प्रक्रिया अपनाई गई। राजपाल यादव का आरोप है कि यह कदम बदले की भावना से उठाया गया। इस दौरान अभिनेता कई बार भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि उन्हें थोड़ा समय चाहिए और वे सभी का पैसा पूरी ईमानदारी और सम्मान के साथ लौटाएंगे। उन्होंने कहा, "जिसने भी जैसे मेरी मदद की है, कृपया अपने अकाउंट की जानकारी भेज दें। मैं सबका पैसा लौटाऊंगा। मुझे सिर्फ थोड़ा समय चाहिए। मैं उन सभी का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मेरे कठिन समय में साथ दिया।" राजपाल ने यह भी कहा कि इतने लोग आगे आए कि वह इस एहसान का कर्ज शायद जिंदगी भर नहीं चुका पाएंगे। वित्तीय संकट और कानूनी परेशानियों के बीच भी अभिनेता ने अपने प्रशंसकों के लिए सकारात्मक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कठिनाइयां आती हैं, लेकिन इंसान को हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। काम के मोर्चे पर भी अभिनेता की नई शुरुआत दिखाई दे रही है। उन्होंने हाल ही में अपना यूट्यूब चैनल लॉन्च किया है और फिल्मों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय रहने का फैसला किया है। जेल से रिहा होने के बाद राजपाल को कई नए प्रोजेक्ट्स मिले हैं, जिनमें म्यूजिक वीडियो, विज्ञापन और फिल्में शामिल हैं।

संदीपा ने की अपनी फिल्म दो दीवाने सहर में की तारीफ

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म दो दीवाने सहर में अभिनेत्री संदीपा धर नजर आईं। इस फिल्म में संदीपा ने नैना नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है जो बाहर से तो परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से बेहद अकेली है। अपने किरदार के बारे में संदीपा ने बताया कि इस फिल्म को चुनने की सबसे बड़ी वजह नैना का जटिल और गहराई वाला किरदार था। उनके अनुसार, बाहरी खुशहाल छवि के पीछे छिपी उथल-पुथल और टूटे हुए एहसासों को परदे पर दिखाना एक कलाकार के रूप में चुनौतीपूर्ण होने के साथ बेहद रोमांचक भी रहा। संदीपा ने फिल्म की कहानी की भी जमकर तारीफ की और कहा कि लंबे समय बाद दर्शकों के सामने ऐसी अनूठी प्रेम कहानी आई है, जो सामान्य रोमांस से अलग है। यह दो ऐसे लोगों की कहानी है जो अपनी-अपनी कमजोरियों को पहचानते हैं, उन्हें स्वीकार करते हैं और एक-दूसरे को अपनाते हुए अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हैं। उनके मुताबिक, हीरो-हीरोइन द्वारा अपनी कमियों को स्वीकारते हुए प्यार चुनने वाली कहानियां आजकल बहुत कम देखने को मिलती हैं। फिल्म की रिलीज के बाद संदीपा धर बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म बिल्कुल उसी तरह बनी है जैसा उन्होंने उम्मीद की थी और उनका किरदार भी दर्शकों द्वारा उसी रूप में स्वीकार किया गया। उन्होंने बताया कि फिल्म के दूसरे हिस्से में उनका और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का टकराव वाला सीन काफी महत्वपूर्ण था, और यह दर्शकों के बीच खासा चर्चित भी रहा। कई लोगों ने उस सीन से खुद को जोड़कर उनकी तारीफ की है। फिल्म का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है, जबकि इसे प्रतिष्ठित फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। संदीपा ने भंसाली के प्रोडक्शन हाउस में काम करने के अनुभव को खास बताते हुए कहा कि उनका विजुअल विजन हमेशा की तरह बेहद प्रभावशाली है। वहीं, निर्देशक रवि उदयवार की विजुअल स्टोरीटेलिंग ने भी फिल्म को और निखार दिया। मुंबई और उत्तराखंड की खूबसूरती को फिल्म में जिस तरह पेश किया गया है, वह दर्शकों के लिए एक आकर्षक अनुभव बन जाता है। अंत में संदीपा ने कहा कि फिल्म केवल एक प्रेम कहानी नहीं है, बल्कि इसमें भाई-बहनों में तुलना, सेल्फ-वर्थ, वैलिडेशन की जरूरत, सिस्टरहुड, फैमिली वैल्यूज जैसे कई संवेदनशील मुद्दों को भी बड़ी खूबसूरती से छुआ गया है।

फिल्म मालामाल विकली का बनने जा रहा है सीक्वल

कॉमेडी से भरपूर फिल्म मालामाल विकली का सीक्वल बनने जा रहा है। करीब बीस पूर्व रीलिज हुई प्रियदर्शन की इस कल्ट कॉमेडी ने एक गुम हुए लॉटरी टिकट की कहानी को लेकर दर्शकों को खूब हंसाया था। अब इसके सीक्वल की खबर से फैंस फिर से उत्साहित हैं। फिल्म में परेश रावल राजपाल यादव, रितेश देशमुख और दिवंगत ओम पुरी ने यादगार भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि 'मालामाल वीकली 2' की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, मगर फिल्म के मुख्य अभिनेता परेश रावल ने इस खबर पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया, "हां, यह सच है। मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और हम इसे कर रहे हैं।" पहली फिल्म में लॉटरी टिकट बेचने वाले लीलाराम की भूमिका निभाने वाले परेश रावल दोबारा इसी किरदार में कमाल दिखाने की तैयारी में हैं। दिलचस्प रूप से, साल 2012 में कमाल धमाल मालामाल रिलीज़ हुई थी, जिसे 'मालामाल वीकली' का रीबूट माना गया था। इसमें भी परेश रावल के साथ राजपाल यादव, ओम पुरी और नाना पाटेकर ने बेहतरीन अभिनय से कॉमेडी का स्तर ऊंचा रखा था। हालांकि उस समय इसे आधिकारिक सीक्वल नहीं कहा गया था, लेकिन इस बार फिल्म के सीधे सीक्वल की पुष्टि ने पुराने दर्शकों की यादें ताजा कर दी हैं। इस बीच परेश रावल दूसरी फिल्म भागमभाग 2 को लेकर भी चर्चा में हैं, जो उनकी 2006 की सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है। इस बार फिल्म में बड़ा बदलाव यह है कि गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी नजर आएंगे, जिससे कहानी और प्रस्तुति में नए रंग जुड़ने की उम्मीद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो परेश रावल आने वाले महीनों में कई बड़ी फिल्मों के साथ दर्शकों के बीच लौटने वाले हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म भूत बंगला में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे, जो 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। इसके साथ ही, सुपरहिट तिकड़ी अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल फिर से दर्शकों का मनोरंजन करेगी क्योंकि अभिनेता फिल्में वेलकम टू द जंगल और हेराफेरी 3 में भी नजर आएंगे।

फिल्म 'एकूस्ड' को लेकर बेहद उत्साहित हैं कोंकणा सेन शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा अपनी नई फिल्म 'एकूस्ड' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'एकूस्ड' कार्यस्थल पर महिलाओं के बीच पावर डायनामिक्स, यौन उत्पीड़न के आरोपों की जटिलता और मानवीय रिश्तों के धुंधले पहलुओं को गहराई से दिखाती है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने बताया कि समाज में कई ऐसी कहानियां हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि उन्हें सामने लाना बेहद जरूरी है। कोंकणा का मानना है कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि दर्शकों की सोच और पूर्वाग्रहों को चुनौती देने का काम करेगी। यह फिल्म 27 फरवरी को नेटफलिक्स पर रिलीज होने जा रही है। कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है जिस पर अपने ही कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया जाता है। इस बारे में बात करते हुए कोंकणा ने कहा कि यह स्क्रिप्ट आम धारणाओं को उलट देती है। उन्होंने कहा, "हम ज्यादातर महिलाओं को पीड़ित की नजर से देखते हैं, आरोपी की नजर से बहुत कम। सही है कि अपराध ज्यादातर पुरुष करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि महिलाएं ऐसा कर ही नहीं सकतीं। इस फिल्म में वही अनकहा पक्ष दिखाया गया है।" कोंकणा के अनुसार, फिल्म का सबसे रोचक पहलू यह है कि इसमें दो महिलाओं के बीच सत्ता के खेल, उम्र के अंतर, पद की असमानता और रिश्तों की जटिलता को बेहद वास्तविक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म यह दिखाती है कि जब आरोपी और पीड़ित दोनों महिलाएं हों, तब समाज का नजरिया कैसे अचानक बदल जाता है। कोंकणा ने कहा कि एक शक्तिशाली पद पर बैठी महिला पर जब आरोप लगता है, तो लोग उस पर विश्वास करने में झिझकते हैं, और यही असमानता इस कहानी की परतों को खुलकर सामने लाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस फिल्म में कोई भी किरदार पूरी तरह सही या गलत नहीं है। कहानी 'ब्लैक एंड व्हाइट' नहीं, बल्कि 'ग्रे' क्षेत्र में चलती है, जहां हर व्यक्ति अपने-अपने निर्णयों और कमजोरियों के साथ खड़ा है। कोंकणा के अनुसार, यही तत्व फिल्म को वास्तविक और दर्शकों के लिए विचारोत्तेजक बनाते हैं। फिल्म यह सवाल उठाती है कि हमारी सोच, हमारे निर्णय और हमारे पूर्वाग्रह किन परिस्थितियों में कैसे बदलते हैं।

Telangana man injured in attack near Abu Dhabi airport; parents seek safe return

New Delhi, Agency: A man from Telangana suffered minor injuries following an attack by Iran near the Abu Dhabi airport, amid the ongoing conflict in West Asia, his parents said on Wednesday. N Rajeswara Rao, a native of Pothireddypalle village in Rajanna Sircilla district, was injured in the incident, his father Prabhakar Rao said.

Rao, who works in the housekeeping section at the airport, informed his parents that he and several others escaped with minor injuries.

"My son has been working there for a year. He works at the airport. He sustained injuries in the attack. He spoke to us over a video call, but he is not showing us the injuries. I want my son to return home soon," Prabhakar Rao told PTI Videos.

Rao's parents urged the Indian government to take steps to ensure their son's safe return. A group of passengers who arrived at the Rajiv Gandhi International Airport in Hyderabad from Jeddah, Saudi Arabia, said they did not face any difficulties due to the prevailing situation in the Gulf region.

Pilgrims who had travelled to Madina expressed satisfaction with the facilities and arrangements.

Mohd Abdul Razak told PTI Videos that his return to Hyderabad was delayed due to flight cancellations. However, he said the travel agency had taken care of his accommodation and other arrangements.

Divorce can't be granted citing cruelty based on WhatsApp chat without rebuttal chance to spouse: HC

New Delhi, Agency: Divorce cannot be granted on grounds of alleged cruelty merely based on WhatsApp chats without giving the spouse a chance to rebut, the Bombay High Court has said.

A bench of Justices Bharati Dangre and Manjusha Deshpande last week quashed an order passed by the Nashik district family court allowing an application filed by a man seeking divorce from his wife on grounds of cruelty. The woman moved the high court, challenging the family court order claiming that the same was passed ex-parte and without giving her an opportunity to oppose or put forth her arguments.

The family court, in its May 2025 order, relied on a WhatsApp chat submitted by the man in which the woman demanded that they shift from Nashik to Pune to live separately, and also in which she allegedly made derogatory comments against her mother-in-law and sister-in-law. The family court noted that the wife had used pressure tactics, emotional blackmail and intemperate language in the WhatsApp chat and held that cruelty was meted against the husband and hence he was entitled to divorce.

The high court, in its order, noted that the family court failed to give an opportunity to the wife to rebut the evidence (WhatsApp chats) submitted by the husband. "Merely relying on the WhatsApp chat, the divorce decree cannot be granted, since it is not proved by leading evidence," the HC said.

'Father didn't know minor son took car', says court, grants bail to businessman in accident case

New Delhi, Agency: A Mumbai court has granted bail to a businessman arrested in connection with a fatal car accident caused by his minor son, noting that prima facie the father had no knowledge of the boy taking out the vehicle for a drive.

Additional Sessions Judge R M Jadhav on Wednesday allowed his bail on a bond of Rs 50,000 and mainly relied on the statement of a watchman of the building where the businessman resides while granting him relief. The accident occurred on February 5 near Somaiya College in Mumbai's Ghatkopar area. As per police, the minor son of the businessman was driving a Kia Seltos when it collided with a scooter, leading to the death of its rider Dhrumil Patel. The deceased victim's wife Meenal, who was riding pillion, suffered grievous injuries in the crash.

The boy's father was arrested on February 10 and booked under Bharatiya Nyaya Sanhita provisions related to rash driving, culpable homicide not amounting to murder, act endangering life and safety of others, as well as relevant sections of the Motor Vehicles Act. The accused, through his advocate Manish Singh, had argued in the court that he was neither present at the accident spot nor driving the vehicle at the relevant time. The businessman claimed he had no knowledge of his son taking the vehicle on the day of the accident and was not responsible for the fatal crash..

Rajnath Singh plays drums on Holi wishes for 'peace, harmony' in world

New Delhi, Agency: On the occasion of Holi, Defence Minister Rajnath Singh showcased active participation in the celebrations at his residence, playing drums, and putting gulaal on people.

Many people gathered at his residence in the national capital to celebrate the festival of colours.

Singh also extended Holi greetings to the people, wishing for peace and harmony in the world.

Speaking to reporters, he said, "Heartfelt greetings of Holi to all the countrymen. May peace be established throughout the world. May everyone live in peace and harmony. These are my

heartfelt wishes on the holy festival of Holi." Prime Minister Narendra Modi also extended greetings to all citizens on the occasion of Holi and wished for happiness, prosperity and success to everyone.

In a post on X, PM Modi said, "Heartfelt Holi greetings to all my fellow citizens. May this festival, brimming with colours and exuberance, bring a shower of joy to everyone. May every life be sprinkled with the hues of happiness, prosperity, and success-this is my heartfelt wish."

On the occasion, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath also fed cows and calves at Gorakhnath Mandir Gaushala, applying gulaal teeka to them.

Application & approval process for access roads from NHs goes fully digital

New Delhi, Agency: People seeking access roads from National Highways (NHs) for fuel stations, wayside amenities, industries, private properties and rest area complexes won't need to visit govt offices to get an NOC anymore. They will be able to apply online and get the approval without any physical interface with the system. Road transport minister Nitin Gadkari has launched a new one-stop digital platform - - to process all such applications. The portal can also be used by govt and private entities to obtain permissions for laying utilities such as water pipelines, gas pipelines, optical fibre cables, electrical lines and other services along or across NHs.

Oxford museum set to return 500-year-old bronze statue taken from Tamil Nadu temple

New Delhi, Agency: A 16th-century bronze statue of Saint Tirumankai Alvar, taken from a temple in Tamil Nadu, is among several Indian heritage items that are being returned to India from the UK.

The Ashmolean Museum in Oxford acquired the 57.5cm tall statue of the South Indian Hindu saint in good faith in 1967 and had it on display. According to Sotheby's, it was sold to the museum by the private collector, Dr J R Belmont (1886-1981). There is no information on how it entered his collection. However, in Nov 2019, a French scholar alerted the University of Oxford museum to research indicating that a photograph of the bronze had been taken in 1957 in the temple of Soundarrajaperumal temple in Thadikombu, a village in Tamil Nadu. This made the museum aware that its provenance was unclear, so the museum decided to investigate.

Although no formal claim had been made, the Ashmolean wrote to the Indian High Commission on 16 Dec 2019, requesting further information and indicating the museum's willingness to discuss its possible return.

On 11 Feb 2020 a temple executive officer filed a police report noting that a modern replica had replaced the original bronze. The Indian High Commissioner then made a formal claim for return of the bronze on 3 March 2020. At request of Archaeological Survey of India (ASI), the museum commissioned metal analysis of the bronze and submitted results to inform a report on its provenance.

Director of the Ashmolean Dr Xa Sturgis said: "The Ashmolean is pleased to see this important object returned to India and we are grateful to the Indian authorities and scholars who have helped establish its provenance. The museum and University of Oxford are committed to ethical collections practices and continued research into our collections, their origins and history."

Cop injured, police vehicle damaged after drunk man's ruckus leads to stone-pelting in UP

New Delhi, Agency: A drunk youth created a ruckus at Hadha town in Uttar Pradesh that led to locals pelting stones at police who went to the spot to control the situation, officials said on Thursday.

A policeman sustained injuries and the windshield of a police vehicle was damaged in Unnao district on Wednesday evening, they said.

According to Circle Officer (Bighapur) Madhup Nath Mishra, the Achalganj police received information that a youth identified as Ankit was allegedly abusing people in an inebriated state and causing disturbance in the areas.

A police team reached the spot and tried to pacify the youth but he reportedly entered into an argument with the policemen, they said. Officials said the situation escalated when some women present at the spot protested and began pelting bricks at the police, leaving a policeman injured and the windshield of a police vehicle damaged. Later, additional police force brought the situation under control.

"The situation in the area is normal at present and peace has been restored," the officer said, adding that efforts are underway to identify those involved in the incident with the help of video footage and local inputs. He said strict legal action would be taken against those found involved in stone-pelting and obstructing government work.

Police have also appealed to residents not to pay heed to rumours and to cooperate in maintaining law and order.

West Asia crisis: 38 Indian ships stuck in Persian Gulf; 3 sailors dead

NEW DELHI/MUMBAI, Agency: Thirty-eight Indian flagged ships, mostly carrying crude and LNG with nearly 1,100 seafarers, were stuck in the Persian Gulf on Tuesday amid the conflict in West Asia.

Shipping authorities here also confirmed the death of three Indian sailors and injury to one on board foreign-flagged vessels in "attacks" off the Oman port.

There are around 23,000 Indian seafarers on different ships in the conflict-hit region at any given time and their safety remains the government's priority, officials said. India is the third largest supplier of seafarers after the Philippines and China.

1k containers stuck at Indian ports amid West Asia crisis: Shipping minister Sarbananda Sonowal chaired a review meeting on Tuesday and directed officials, including DG Shipping, to take steps to ensure

the safety and welfare of Indian seafarers as well as the security of maritime assets. "There have been no confirmed instances of casualty, detention or boarding involving Indian-flagged vessels," DG Shipping said in a statement.

The minister and officials were briefed by DG Shipping on the situation in the region, and on the status of Indian flagged ships and Indian seafarers. Officials informed the ministry that 24 ships are stranded west of Strait of Hormuz and another 14 in the east of the strait.

Maharashtra transporters to launch stir against e-challans; indefinite strike from Thursday midnight

New Delhi, Agency: Transporters across Maharashtra have announced a statewide "chakka jam" from Thursday to protest against e-challans and other issues faced by the sector, and an indefinite strike from midnight.

After the last round of negotiations held at the Maharashtra Transport Commissioner's office on Wednesday evening remained inconclusive, the Maharashtra Transport Action Committee (M-TAC) said it would go ahead with the strike.

According to M-TAC representatives, transporters will stage protests at Azad Maidan in Mumbai and outside the Regional Transport Office (RTO) premises in other parts of the state before going on strike from midnight.

M-TAC said school buses, contract carriage buses, private buses and commercial vehicles, including trucks, tempos, taxis and tankers, would remain off the roads during the indefinite agitation. The transporters have also threatened to bring their vehicles to protest sites. Anil Garg, a leader of the School Bus Owners Association, had said on Wednesday that school buses across the state would not operate from Friday if the indefinite strike happened, though their services would remain unaffected on Thursday.

Earlier this week, Maharashtra Transport Minister Pratap Sarnaik also held a meeting with transporters at the MSRTC headquarters here, but M-TAC said the talks remained unfruitful due to what it described as "hollow assurances" from the government.

Sarnaik had appealed to the transporters to withdraw their agitation, stating that the government was positive about cancelling "unjust" e-challans issued to parked vehicles and would take a favourable decision on the matter.

M-TAC said the agitation was being organised against what it termed "arbitrary and excessive" electronic traffic enforcement and the mounting financial burden on the transport sector.

'I have seen the missile': Indian woman from first evacuation flight recounts tense days in Dubai

New Delhi, Agency: An Indian national who returned to India in the first batch of flights from Dubai after air travel resumed has described tense nights, emergency alarms and uncertainty as conflict in the Middle East disrupted travel across the Gulf.

Saumya Khandelwal, who had travelled to Dubai for work, said she experienced missile alerts and saw debris during the escalation of hostilities involving Iran, the United States and Israel.

"I have seen the missile, and we've seen this debris. And then we've also seen, we've also got alarms in the middle of the night where the government was sending us, the alarms were blaring for us to go to the shelter or to the basement of the hotel and be there," she said.

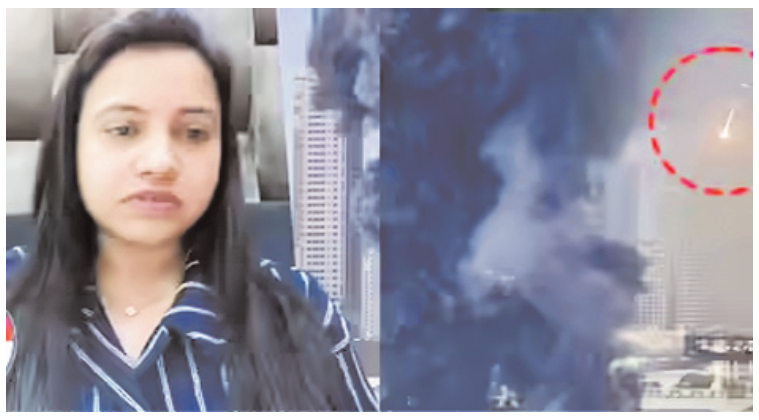

"It was 12:13 in the night and we get a huge alarm on our phone and we had to rush to the basement."

Khandelwal had arrived in Dubai on Wednesday and was scheduled to return to India on Saturday, but her plans were disrupted when airspace restrictions were imposed amid rising tensions in the region.

"I went on Wednesday and I was supposed to come back on Saturday. The afternoon we got to know that the space is closed," she said. Authorities asked travellers to remain indoors as the situation unfolded. "We were asked by the authorities to be in the hotel and not roam around on the streets. We were in the hotel. Things were very frightening over there. We were very tense." Despite the uncertainty, she said both local authorities and residents extended support to stranded travellers.

"The government was fully cooperative and the people over there are very warm. There was full cooperation from everybody around. They opened their homes for the people over there." The Indian Embassy in the UAE also stayed in touch with citizens during the crisis. "We've had calls, several calls that if you need any help, if we need anything, any sort of help, they were there to help," she said.

"I received about two, three calls from Indian Embassy." The sounds of sirens and missile alerts created a climate of fear, she said. "I was very scared and I thought that I don't think so that I'll be able to move out of UAE for next two, three weeks at least." Her family in India was also anxious as the situation unfolded.

"It was just a four day trip for work and nobody had imagined that something like this was happening in UAE."

Even as tensions remained high, Khandelwal said everyday life in Dubai continued largely without panic. "Monday the city was functioning normally. People were on the roads, they were doing their daily chores. The groceries were open." "There was no panic at all, which was the best part. The cabs were running smoothly, the hotels were running smoothly." She also said hotels and airlines avoided raising prices during the crisis.